जनता के गोठ

Website- https://www.jantakegoth.com

● वर्ष -01 ● अंक- 320 ● रायपुर, शनिवार 14 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ- 12 ● मूल्य- 2 रुपया ● संपादक- शुभम वर्मा ● PRGI Reg No : CTBIL/25/A1787

संक्षिप्त समाचार

ओपी राजभर का अखिलेश यादव पर तंज, बोले- अफवाह फैलाकर यादव को कर रहे बर्बाद

लखनऊ । सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए निशाना साधा है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, अखिलेश यादव, आप तो अभी तक सो ही रहे होंगे, लेकिन आपका पीडीए यानी पीट देगा अहीर आपके सीएम बनने की अफवाह भर से सो ही नहीं रहा है। ओपी राजभर ने इटावा की घटना का जिक्र करते हुए लिखा कि इटावा का गुंडा बिट्टू यादव अखिलेश यादव की दो-चार प्रेस कॉन्फ्रेंस देखकर इतना मनबढ़ हो गया कि उसको लगने लगा है कि अब तो उसकी गुंडई का राज वापस आने ही वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी हनक और सनक में उसने दलित चंद्रमोहन दिवाकर की संपत्ति पर कब्जा करने की कोशिश की। जनता ने रोकने की कोशिश की तो पहले जमकर गालियां दीं और फिर दलित चंद्रमोहन दिवाकर को बुरी तरह से पीटा।

मुंबई के स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़, टिकट के लिए घंटों तक इंतजार कर रहे लोग

मुंबई । देशभर के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में यात्री छठ पूजा नजदीक आने के साथ अपने गृह नगरों के लिए रवाना हो रहे हैं। मुंबई के रेलवे स्टेशनों पर भी यात्रियों की भारी भीड़ है। इस बीच यात्रियों को ट्रेन और टिकटों के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। हालांकि, यात्रियों ने स्टेशनों पर ठहरने और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर संतोष जताया। लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) रेलने स्टेशन पर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और अन्य पूर्वी राज्यों के यात्री बड़ी संख्या में पहुंचे हैं। रेलवे की ओर से विशेष ट्रेनें चलाने और अन्य इंतजाम करने के बावजूद त्योहार की इस भीड़-भाड़ के दौरान यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ निवासी एक युवक ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा, मैं पिछले चार दिन से टिकट का इंतजार कर रहा था।

कंगना रनौत ने सोनिया गांधी से स्विस खातों को लेकर पूछे सवाल, राहुल गांधी के सेल्फ-गोल टैलेंट पर कसा तंज

नई दिल्ली। अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने सोनिया गांधी की बायोग्राफी को लेकर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने गांधी परिवार से जुड़ी घटनाओं के बारे में सोनिया गांधी के बताए गए विवरण पर तंज कसा है। बायोग्राफी को सेल्फ-गोल बताते हुए कंगना ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने अपना सेल्फ-गोल टैलेंट अपनी मां से विरासत में पाया है। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ये बातें लिखीं, जिनमें उन्होंने राजीव गांधी की मौत, मेनका गांधी के परिवार से अलग होने और सोनिया गांधी की नागरिकता को लेकर टिप्पणी की।

असम के काजीरंगा में भीषण हादसा : ट्रक से टकराई मिनीबस

23 लोगों की मौत,सात घायल-सीएम हिमंत बिस्वा ने जताया दुख

गुवाहाटी। एजेंसी

असम के काजीरंगा में गुरुवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। रोंगाजन के पास एक ट्रक और मिनीबस की जोरदार टक्कर में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 अन्य घायल हो गए। हादसे में कई यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। दुर्घटना के बाद मौके पर राहत एवं बचाव अभियान जारी है। मिनीबस बोकाखाट से नागांव जा रही थी, तभी काजीरंगा के पास रोंगाजन में एक कंटेनर ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मिनीबस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और कई यात्री वाहन के अंदर फंस गए। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान शुरू किया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मिनीबस और कंटेनर ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर हुई। गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्नील डेका ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि शुरुआती रिपोर्ट में सात लोगों की मौत की जानकारी मिली थी। बस से शव निकाले जाने के दौरान मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई गई थी। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, मिनीबस तेज रफ्तार में थी और पार्क के पास लागू यातायात नियमों का उल्लंघन कर रही थी। शुरुआती जांच में आशंका जताई गई कि मिनीबस चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद वह कंटेनर ट्रक से टकरा गई। हादसे के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। हादसे में घायल यात्रियों को इलाज के लिए कोहोरा



मॉडल अस्पताल ले जाया गया है। इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने दुर्घटनाग्रस्त मिनीबस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दुर्घटना दुख जताया। उन्होंने कहा, आज काजीरंगा में हुई दुखद दुर्घटना से मुझे गहरा आघात लगा है। इस नुकसान ने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है। जिन परिवारों ने अपने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। कोई भी शब्द उनके दर्द को कम नहीं कर सकता, लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि वे अकेले नहीं हैं। दुख की इस घड़ी में पूरा असम उनके साथ खड़ा है। हमारी पहली प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि घायलों को बिना किसी देरी के बेहतरीन चिकित्सा सुविधा मिले। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने और शोक संतप्त परिवारों को हिम्मत मिलने की प्रार्थना करता हूं। गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) स्वप्नील डेका ने बताया कि शुरुआती जानकारी के अनुसार, दुर्घटना में कम से कम 23 लोगों की मौत हुई है। पुलिस और बचाव दल मौके पर मौजूद हैं और बस से शवों को बाहर निकाला जा रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। हालांकि, बस में कुल कितने यात्री सवार थे, इसकी तत्काल जानकारी नहीं मिल सकी है। हादसे की सूचना

टूटी बस में फंसे यात्रियों को निकालने में परेशानी

हादसे में घायल लोगों को पहले कोहोरा मॉडल हॉस्पिटल पहुंचाया गया। इनमें से ज्यादातर गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए जोरहाट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल रेफर किया गया है। असम के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री अतुल बोरा दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। वह स्थानीय विधायक भी हैं। उन्होंने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव अभियान की निगरानी की। स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों ने क्षतिग्रस्त बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। टक्कर के बाद बस की हालत इतनी खराब हो गई थी कि उसमें फंसे लोगों को निकालने में बचाव दल को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

सौरभ को विशेष अदालत में लाया गया

पीएमएलए कोर्ट की अगली कार्रवाई पर नजरें टिकीं.....

नई दिल्ली। महादेव ऑनलाइन सट्टा मामले के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया है। यह पेशी विशेष न्यायाधीश अमित राठौर की पीएमएलए कोर्ट में हो रही है। इससे पहले गुरुवार को सीबीआई की विशेष अदालत ने उसे जेल भेजने का आदेश दिया था। उस आदेश के तहत सौरभ को 19 नवंबर तक न्यायिक रिमांड पर रखा गया है। फिलहाल इस मामले में ईडी और सीबीआई दोनों एजेंसियां अपनी जांच कर रही हैं। महादेव सट्टा ऐप मामले में कानूनी कार्रवाई तेज हो गई है। मुख्य



आरोपी सौरभ चंद्राकर को रायपुर की विशेष पीएमएलए कोर्ट में लाया गया। विशेष न्यायाधीश अमित राठौर की अदालत में इस मामले की सुनवाई चल रही है। कोर्ट में पेशी के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रखे गए थे। इस पेशी से एक दिन पहले गुरुवार को भी बड़ी कार्रवाई हुई थी।



न्यूजीलैंड ने चौथे वनडे मुकाबले में भारतीय टीम को 244 रन से करारी शिकस्त दी। बे ओवल मैदान पर 334 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम महज 89 रन पर ऑलआउट हो गई। यह वनडे क्रिकेट में रनों के लिहाज से भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार है।

प्रदेश में धीरे-धीरे बढ़ रही ठंड

छत्तीसगढ़ में अगले पांच दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा.....

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले पांच दिनों तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। प्रदेश में सुबह और रात के समय ठंड धीरे-धीरे बढ़ रही है। गुरुवार को अंबिकापुर 11.4 डिग्री तापमान के साथ सबसे ठंडा शहर रहा। राजधानी रायपुर में भी दिन का तापमान सामान्य से नीचे दर्ज हुआ। उत्तरी छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में ठंड का असर ज्यादा दिख रहा है। गुरुवार को अंबिकापुर पूरे प्रदेश में सबसे ठंडा स्थान दर्ज किया गया। यहां न्यूनतम तापमान गिरकर 11.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच



गया। सुबह के समय अंबिकापुर और आसपास के इलाकों में अच्छी ठंड महसूस हुई। लोग अब सुबह और रात में गर्म कपड़ों का सहारा लेने लगे हैं। दूसरी तरफ दुर्ग जिले में दिन के समय हल्की गर्मी बनी रही। दुर्ग में प्रदेश का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री दर्ज हुआ।

महादेव सट्टा ऐप मामला

जेल में बंद मोहित सोमानी के रायपुर स्थित घर पर सीबीआई की छापेमारी

रायपुर/ संवाददाता

महादेव सट्टा ऐप केस में जांच एजेंसियों का एक्शन तेज हो गया है। सीबीआई ने आज शुक्रवार को रायपुर की समता कॉलोनी में छापा मारा। यह कार्रवाई जेल में बंद आरोपी मोहित सोमानी के घर हुई। दूसरी ओर, प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को आज ईडी कोर्ट में पेश किया जाएगा। कोर्ट से मंजूरी मिलने के बाद ईडी उसकी कस्टोडियल रिमांड मांगेगी। सीबीआई की टीम सुबह ही मोहित सोमानी के आवास पर पहुंच गई थी। अधिकारियों ने घर के अंदर दस्तावेजों और डिजिटल सबूतों की तलाश शुरू की। जांच



एजेंसी को मोहित पर सट्टा नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका है। उस पर प्रमोटर से सट्टा ऐप की आईडी लेकर आगे बेचने का संदेह है। मोहित सोमानी फिलहाल रायगढ़ की जेल में बंद है। इससे पहले रायगढ़ पुलिस ने उसे गोवा से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद से ही वह न्यायिक हिरासत में जेल के अंदर है। अब इस मामले की जांच सीबीआई के पास होने से कार्रवाई आगे बढ़ी है। हालांकि, रायपुर में छापेमारी के दौरान क्या मिला, यह अभी साफ नहीं है। जांच टीम ने अब तक किसी नए तथ्य का खुलासा नहीं किया है। इस पूरे सट्टा नेटवर्क के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर पर भी शिकंजा कस रहा है। सौरभ की गिरफ्तारी के बाद से ही जांच एजेंसियां काफी सक्रिय हैं। एजेंसियां अब इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका खंगाल रही हैं। मोहित के घर हुई दबिश को भी इसी कड़ी से जोड़कर देखा जा रहा है। जेल में बंद सौरभ चंद्राकर को आज अदालत में पेश किया जाएगा।

बिहार के हाजीपुर में गंगा के कटाव ने बदली छठ पूजा की परंपरा, 20 गांवों के श्रद्धालु घरों में बनाएंगे कृत्रिम घाट

हाजीपुर। बिहार के हाजीपुर में गंगा नदी में कटाव और बाढ़ की तबाही का असर अब लोक आस्था के महापर्व छठ पर भी दिखाई देने लगा है। कभी गंगा किनारे स्थित घाटों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करते थे, लेकिन इस बार हालात पूरी तरह बदल गए हैं। नदी में लगातार हो रहे कटाव के कारण करीब 20 गांवों के लोगों को अपने पारंपरिक छठ घाटों से दूरी बनानी पड़ रही है। सुरक्षा को देखते हुए इन गांवों के श्रद्धालु अब अपने घरों और गांवों में ही कृत्रिम छठ घाट बनाकर पूजा-अर्चना करने की तैयारी कर रहे हैं।

फिर दी आमने-सामने बहस की चुनौती

राहुल गांधी का आरोप-मेरा फोन टैप करवा रहे हैं पीएम मोदी.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि उनका फोन टैप कराया जा रहा है। राहुल का कहना है कि उनके पास अपने सभी आरोपों से जुड़े सबूत हैं और ये जानकारियां उनके फोन में मौजूद हैं। उन्होंने एक बार फिर प्रधानमंत्री को आमने-सामने बहस करने की चुनौती दी है। राहुल ने कहा कि इस बहस से यह सामने आ जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहा है और कौन देश के खिलाफ गतिविधियों में शामिल है। उनके



इस बयान के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फोन टैपिंग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनके सभी आरोपों के सबूत उनके फोन में मौजूद हैं, जिसे प्रधानमंत्री ने टैप करवा रखा है। राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमने-सामने बहस की चुनौती देते हुए कहा कि इस चर्चा से पता चल जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहा है और कौन देशद्रोही है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास ऐसी कई जानकारियां हैं, जिनके बारे में वह जानते हैं और जो उनके फोन में मौजूद हैं। राहुल गांधी ने संसद में अपनी बात रखने का मौका नहीं मिलने का आरोप भी लगाया। उनका कहना है कि कई बार उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया जाता है और उन्हें महत्वपूर्ण मुद्दों पर बोलने नहीं दिया जाता।

दिल्ली-मुंबई के बाद बेंगलुरु तीसरा शहर!

पीएम मोदी ने दी सौगात-मेट्रो ने पार किया 100 किमी का नेटवर्क

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में मेट्रो, रेल और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े काम शामिल हैं। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज का दिन कर्नाटक की विकास यात्रा को नई गति देने वाला है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि मध्यम वर्ग की बचत बढ़े, उसकी क्रय क्षमता मजबूत हो और वह देश की आर्थिक प्रगति में भी भागीदार बने। पीएम मोदी ने कहा कि कर्नाटक में शुरू की जा रही 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं राज्य के बुनियादी ढांचे को नई ताकत देंगी। मेट्रो और रेल से लेकर ऊर्जा सुरक्षा तक के ये प्रोजेक्ट विकसित कर्नाटक और विकसित भारत के निर्माण को गति देंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की विकास यात्रा में इंफ्रास्ट्रक्चर की बड़ी भूमिका होती है। बेहतर कनेक्टिविटी से तरक्की, रोजगार और उद्योगों के नए अवसर पैदा होते हैं। जब विकास के ये अवसर समाज के हर वर्ग तक पहुंचते हैं, तो गरीबी के खिलाफ लड़ाई भी मजबूत होती है। प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु के मेट्रो नेटवर्क के विस्तार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि साल 2014 में शहर का मेट्रो नेटवर्क सिर्फ 14 किलोमीटर तक फैला था, जो अब 100 किलोमीटर से अधिक हो गया है। पीएम मोदी के मुताबिक, दिल्ली-हाइस्पीड और मुंबई



मेट्रोपॉलिटन रीजन के बाद बेंगलुरु देश का तीसरा शहरी क्षेत्र बन गया है, जहां मेट्रो नेटवर्क ने 100 किलोमीटर का आंकड़ा पार किया है। उन्होंने कहा कि यह लोगों के लिए यात्रा को आसान बनाने और जीवन की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले कर्नाटक को राज्य की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मिली थी और अब राज्य को गोवा से जोड़ने वाली वंदे भारत ट्रेन की सुविधा मिली है। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन से कर्नाटक, मेंगलुरु और पूरे तटीय क्षेत्र के लोगों को सेमी हाईस्पीड ट्रेन से सफर करने का नया अनुभव मिलेगा। प्रधानमंत्री ने ऊर्जा सुरक्षा को विकसित भारत के निर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि ईरान और खाड़ी देशों के आसपास चल रहे युद्ध ने दिखाया है कि किसी देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा कितनी जरूरी है। भारत के लिए भी यह चुनौतीपूर्ण समय रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। पेट्रोल, डीजल और एलपीजी उत्पादन की क्षमता बढ़ाई गई है। कच्चे तेल के भंडारण की व्यवस्था विकसित की गई है। इसके अलावा सौर, जल और पवन ऊर्जा का विस्तार किया गया है। रेलवे का लगभग शत-प्रतिशत विद्युतीकरण किया गया और मेट्रो जैसे सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाया गया है।

मध्यम वर्ग को बिजली का उत्पादक भी बना रहे है

पीएम मोदी ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा का एक अहम पहलू बिजली का उत्पादन है। भारत सौर ऊर्जा समेत नए ऊर्जा समाधानों की तकनीक में नेतृत्व हासिल करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं के कारण नागरिक अब सिर्फ बिजली के उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक भी बन रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि मध्यम वर्ग की बचत बढ़े और उसकी क्रय क्षमता मजबूत हो। इससे लोग अपने परिवार के सपने पूरे करने के साथ देश की आर्थिक प्रगति में भी भागीदार बन सकेंगे। अपने संबोधन की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी ने कर्नाटक की राज्यपाल सुधा यादव के जीवन और उनके परिवार के योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध में सुधा यादव के पति ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था। इसके बाद भी उन्होंने देश सेवा का अपना संकल्प जारी रखा।

ग्रामीण अंचल की बेटी यामिनी पैकरा ने नीट में लहराया सफलता का परचम, अब बनेगी डॉक्टर

लक्ष्य शिक्षण संस्थान बचवार ने गोल्ड मेडल पहनाकर किया सम्मानित

बलरामपुर (जनता के गोठ) : ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को सही मार्गदर्शन और मेहनत का अवसर मिले तो वे सफलता की नई इबारत लिख सकती हैं। इसे सच कर दिखाया है लक्ष्य शिक्षण संस्थान बचवार की पूर्व छात्रा कुमारी यामिनी पैकरा ने। यामिनी ने नीट 2026 परीक्षा उत्तीर्ण कर शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायगढ़ में एमबीबीएस प्रथम वर्ष में प्रवेश प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

दीपावली अवकाश पर अपने गृह ग्राम लौटने के बाद यामिनी सबसे पहले अपने गुरु एवं मार्गदर्शक शिक्षक सुदर्शन यादव से मिलने लक्ष्य शिक्षण संस्थान बचवार पहुंचीं। यहां संस्थान के शिक्षक सुदर्शन यादव ने यामिनी एवं उनके माता-पिता का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया और गोल्ड मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई।

प्रयास विद्यालय तक पहुंचाने में गुरु का मार्गदर्शन बना मजबूत आधार

यामिनी पैकरा, पिता केशव प्रसाद पैकरा, ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा संत जोसेफ इंग्लिश मीडियम स्कूल मानपुर से प्राप्त की। वर्ष 2022 में उन्होंने लक्ष्य शिक्षण संस्थान बचवार में शिक्षक सुदर्शन यादव के मार्गदर्शन में प्रयास आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा की तैयारी की, जिसमें सफलता हासिल कर उनका चयन प्रयास आवासीय विद्यालय अंबिकापुर में हुआ। यहां कक्षा 9वीं से 12वीं तक की पढ़ाई करते हुए उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय दिया। यामिनी ने कक्षा 10वीं में 88 प्रतिशत तथा वर्ष 2026 की कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके साथ ही नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर एमबीबीएस में प्रवेश हासिल किया।



गरीब और ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए प्रयास विद्यालय बना सफलता की सीढ़ी- यामिनी की सफलता में शासन द्वारा संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। निःशुल्क शिक्षा और कोचिंग की सुविधा का लाभ उठाकर उन्होंने 12वीं की पढ़ाई के साथ ही मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी की और अपने डॉक्टर बनने के सपने को साकार करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की।

सम्मान समारोह में अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षक सुदर्शन यादव और समस्त गुरुजनों को देते हुए यामिनी भावुक हो गई। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल कर डॉक्टर बनने का सपना पूरा कर पाएंगी, लेकिन माता-पिता और शिक्षकों ने हमेशा उन पर भरोसा जताया तथा सही मार्गदर्शन दिया। इसी विश्वास और सहयोग ने उन्हें आज इस मुकाम तक पहुंचाया है।

मोबाइल से दूरी, नियमित पढ़ाई और मेहनत ही सफलता की कुंजी : यामिनी- इस अवसर पर यामिनी ने लक्ष्य शिक्षण संस्थान में जवाहर नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, प्रयास आवासीय विद्यालय, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय एवं उत्कर्ष विद्यालय की प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं से भी संवाद किया। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि किसी भी परीक्षा से घबराने की जरूरत नहीं है। मोबाइल से दूरी बनाकर रखें, शिक्षक के मार्गदर्शन में मन लगाकर पढ़ाई करें और घर पर नियमित अभ्यास करें। निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने पर सफलता निश्चित रूप से मिलेगी।

यामिनी की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार और गुरुजनों के लिए गौरव का विषय है, बल्कि शंकरगढ़ क्षेत्र के उन तमाम ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं। उनकी सफलता ने साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी बड़े शहर या महंगे संस्थान की मोहताज नहीं होती, बल्कि सही मार्गदर्शन, दृढ़ संकल्प और मेहनत से गांव की बेटियां भी डॉक्टर बनकर समाज का नाम रोशन कर सकती हैं।

लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए कांग्रेस का जनसंपर्क अभियान तेज, गारावंड में जनचौपाल आयोजित

पूर्व विधायक चंदन कश्यप बोलेङ्क हर मतदाता का वोट सुरक्षित रखना और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना कांग्रेस का संकल्प

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान एवं बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार संचालित वोट बचाओङ्कदेश बचाओ अभियान के तहत नगरनार ब्लॉक के गारावंड मंडल में पंचायत भवन के समक्ष मंडल स्तरीय जनचौपाल का आयोजन किया गया। इसमें कांग्रेस पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों से संवाद कर मतदाता अधिकारों और लोकतंत्र की मजबूती पर चर्चा की।



पूर्व विधायक नारायणपुर चंदन कश्यप ने कहा कि वोट बचाओङ्कदेश बचाओ अभियान केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा से जुड़ा जनआंदोलन है। मतदाता सूची में गड़बड़ी, फर्जी प्रविष्टियां, दोहरे पंजीकरण और पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने जैसे विषय गंभीर चिंता का विषय हैं। प्रत्येक नागरिक का वोट उसका संवैधानिक अधिकार है। इसकी अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखना आवश्यक है। कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव पहुंचकर लोगों को मतदाता सूची में अपने और परिवार के सदस्यों के नाम जांचने तथा अनियमितता मिलने पर संबंधित अधिकारियों को जानकारी देने के लिए जागरूक करेंगे।

जनचौपाल में अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और हर मतदाता के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया गया।

इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष संतोष सेठिया, अभिषेक नायडू, नीतीश शर्मा, दिनेश सिंह, दयाराम कश्यप, रविशंकर तिवारी, लखीराम भारती, हेमंत देवांगन, कमल नाग, पूर्णिमा सीरिल, प्रभुदास नाग, अंकित सिंह, महादेव मंकी, बुद्ध प्रकाश गोयल, रमेश पात्रो, नीलकंठ गोयल, नीमसार बघेल, बालक गोयल, मंगलसाय बघेल, लक्ष्मण नाग, बलराम गोयल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला पेंशनर्स सम्मेलन में स्मृति ईरानी को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित करने किरणदेव से मिला पेंशनर्स महासंघ का प्रतिनिधिमंडल

लक्ष्मी राजवाड़े को मुख्य अतिथि एवं सांसद रूपकुमारी चौधरी को अध्यक्षता के लिए आमंत्रित करने मांगा सहयोग

रायपुर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव के नेतृत्व में महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने आज भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष श्री किरणदेव से उनके शासकीय आवास पर सौजन्य भेंट की। इस दौरान आगामी 20 दिसंबर 2026 को रायपुर में आयोजित होने वाले महिला सीनियर सिटीजन पेंशनर्स कल्याण सम्मेलन-2026 में प्रमुख अतिथियों की सहभागिता सुनिश्चित कराने के लिए सहयोग का आग्रह किया गया।



प्रतिनिधिमंडल ने श्री किरणदेव से आग्रह किया कि सम्मेलन में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित करने में सहयोग प्रदान करें। साथ ही छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े को मुख्य अतिथि तथा महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद एवं अखिल भारतीय महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती रूपकुमारी चौधरी को सम्मेलन की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित करने हेतु भी सहयोग मांगा।

महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य वरिष्ठ महिला पेंशनरों के अनुभव, सम्मान, अधिकार, सामाजिक सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करना है। इस आयोजन में प्रदेशभर से वरिष्ठ महिला पेंशनरों, महिला पदाधिकारियों एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय प्रतिनिधियों की सहभागिता प्रस्तावित है।

प्रतिनिधिमंडल के आग्रह पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री किरणदेव ने तत्काल महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े से दूरभाष पर चर्चा की। उन्होंने सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी से भी चर्चा करने तथा श्रीमती स्मृति ईरानी के छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान पेंशनर्स महासंघ के प्रतिनिधियों से उनकी भेंट कराने की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया। उन्होंने स्वयं भी इस संबंध में चर्चा करने का भरोसा दिलाया।

महासंघ के प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव के साथ प्रदेश महामंत्री अनिल गोल्हानी, प्रवीण कुमार त्रिवेदी, महिला पेंशनर्स कल्याण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. शेषा सक्सेना, दैनिक वेतनभोगी पेंशनर्स कल्याण प्रकोष्ठ के संयोजक अनिल पाठक तथा जिला रायपुर के अध्यक्ष आर.जी. बोहरे शामिल थे। महासंघ ने श्री किरणदेव के सकारात्मक रुख एवं त्वरित सहयोग के आश्वासन के प्रति आभार व्यक्त किया तथा विश्वास जताया कि उनके सहयोग से यह सम्मेलन वरिष्ठ महिलाओं के सम्मान, अधिकारों और सामाजिक सरोकारों को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण आयोजन सिद्ध होगा।

16 राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कारों के बावजूद नगरनार प्लांट में श्रमिक की मौत, स्वतंत्र स्ढ्ढञ्ज जांच की मांग तेज

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर, । नगरनार स्टील प्लांट की एसएमएस शाखा में 10 नवंबर को हुई हॉट मेटल दुर्घटना में छोटे देवड़ा निवासी ऑपरेटर मंगल साय की मौत के मामले ने औद्योगिक सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के मुख्य संयोजक एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश उपाध्यक्ष नवनीत चाँद ने कलेक्टर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर मामले की स्वतंत्र उच्चस्तरीय एसआईटी जांच की मांग की।

नवनीत चाँद ने कहा कि नगरनार स्टील प्लांट को 16 राष्ट्रीय इस्पात सुरक्षा पुरस्कार मिलने के बावजूद यदि श्रमिक की जान जा रही है, तो सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति की निष्पक्ष जांच जरूरी है। उन्होंने सवाल उठाया कि मृतक को कौन-सा कार्य सौंपा गया था, क्या उसके पास आवश्यक प्रशिक्षण और वर्क परमिट था तथा क्रेन संचालन और सुरक्षा मानकों का



पालन किया गया था?

उन्होंने दुर्घटना के तकनीकी कारणों, क्रेन, लैडल, इंटरलॉक, अलार्म और मशीनरी की स्थिति की जांच के साथ वर्ष 2024 की पूर्व दुर्घटनाओं के बाद किए गए सुधारों का भी ऑडिट कराने की मांग की।

नवनीत चाँद ने सात सूत्रीय मांगपत्र सौंपते हुए सात दिन में स्वतंत्र एसआईटी गठित करने, 48 घंटे में सीसीटीवी, क्रह्म/स्ष्ठ डेटा, शिफ्ट लॉगबुक एवं अन्य तकनीकी साक्ष्य सुरक्षित करने तथा वर्ष 2021 से 2026 तक प्लांट का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कराने की मांग की। साथ ही दोषियों की भूमिका की जांच, मृतक के परिवार को वैधानिक मुआवजा, बीमा एवं नियमानुसार रोजगार सहायता उपलब्ध कराने की मांग उठाई।

उन्होंने कहा कि किसी को बिना जांच दोषी ठहराना उद्देश्य नहीं है, लेकिन केवल प्रबंधन की आंतरिक जांच पर्याप्त नहीं होगी। निर्धारित समयसीमा में कार्रवाई नहीं होने पर चरणबद्ध लोकतांत्रिक आंदोलन किया जाएगा।

इस दौरान जगदलपुर अध्यक्ष ओम मरकाम, ग्रामीण जिला अध्यक्ष संतु कश्यप, चित्रकोट विधानसभा अध्यक्ष कमल बघेल, जिला उपाध्यक्ष धनसिंग बघेल, गायत्री ठाकुर, निहारिका सिंह, प्रिया यादव एवं आकाश जॉन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नवनीत चाँद ने कहा कि बस्तर के औद्योगिक विकास के साथ श्रमिकों की जान और सुरक्षा की जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

मांदलापाल में वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान को लेकर कांग्रेस की मंडल स्तरीय बैठक संपन्न

मतदाता अधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए ग्रामीणों को किया जागरूक

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

मांदलापाल। नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत मांदलापाल में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भानपुरी के तत्वावधान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत मंडल स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मतदाताओं को उनके संवैधानिक अधिकारों, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढक) और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता का वोट महत्वपूर्ण है। मतदान का अधिकार केवल चुनाव में भागीदारी का माध्यम नहीं, बल्कि देश के भविष्य और संविधान की रक्षा का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे मतदाता



सूची में अपना नाम अवश्य जांचें तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर नियमानुसार सुधार कराएं। वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक रहना चाहिए और बिना किसी दबाव या भ्रम में आए स्वतंत्र रूप से मतदान करना चाहिए। अभियान का उद्देश्य गांव-गांव तक पहुंचकर लोगों को मतदान के महत्व और उनके अधिकारों की जानकारी देना है। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भानपुरी अध्यक्ष धनुर्जय नेताम, निलय कश्यप (नानु), जीवन सेठिया, सत्यकान्त कश्यप, पुनउ कश्यप, रैतूराम बघेल, मंडल प्रभारी डमरू कश्यप, कृष्णा कश्यप, संत कुमार कश्यप, सोनसिह कश्यप, अर्चित कश्यप, प्रेमसिंह, ईश्वर, ज्ञान प्रकाश, घस्सू बघेल, राजमन मौर्य, हीरा, शामू कोर्राम, जेठू कोर्राम, लखे कश्यप, गुलाब कश्यप, लखमू, जग्गू कश्यप, संतु बघेल, कमलू कश्यप, उद्दे सिन्हा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मतदाता अधिकारों की सुरक्षा के लिए कांग्रेस ने भरी हुंकार, मूली में संयुक्त जनचौपाल आयोजित

मूली बाजार शेड में मूली एवं बकावंड मंडल कांग्रेस की बैठक, गांव-गांव तक अभियान पहुंचाने का लिया संकल्प

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर । बकावंड वोट बचाओङ्कदेश बचाओ अभियान के तहत मूली मंडल एवं बकावंड मंडल कांग्रेस कमेटी की संयुक्त जनचौपाल का आयोजन मूली बाजार शेड में किया गया। कार्यक्रम जिला कांग्रेस कमेटी बस्तर के जिलाध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

जनचौपाल में लोकतंत्र की मजबूती, मतदाता सूची में पारदर्शिता, मताधिकार की सुरक्षा एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक नागरिक का वोट उसकी लोकतांत्रिक ताकत और संवैधानिक अधिकार है। मताधिकार की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।



कांग्रेस नेताओं ने अभियान को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए आम नागरिकों को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया। साथ ही युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस, कांग्रेस सेवादल सहित पार्टी के सभी संगठनों को अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई।

कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, मतदाता सूची में पारदर्शिता और मतदाता अधिकारों के प्रति जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवराम बिसाई, जानकीराम सेठिया, लखेश्वर कश्यप, हुसैन खान, बद्रीनाथ जोशी, जगमोहन बघेल, दुर्जन कश्यप, नित्या चन्द्राकर, राजमन भारती, लालेन्द्र बाकड़े, मोना पाढ़ी, तुलाराम मौर्य, योगेन्द्र मौर्य, श्रवण बघेल, कमलोचन पटेल, दीपक पांडे, हरेंद्र कुमार पांडेय, धनसाय निषाद, मनबोध कश्यप, मितरनाथ बघेल, मेहतर, कनाई बघेल, पदम सिंह, रतिराम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कर्मचारी संगठन रवेली ने प्रतिभावान बच्चों का किया सम्मान

32 वर्षों से निरंतर जारी है सम्मान समारोह की परंपरा, आयोजन से प्रेरणा लेकर गांव के बच्चे देश-विदेश में रोशन कर रहे हैं नाम

रवेली। 13/11/2026// कर्मचारी संगठन रवेली द्वारा भाई दूज मातर महोत्सव के शुभ अवसर पर आयोजित वार्षिक सम्मान समारोह में ग्राम के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं एवं नव नियुक्त कर्मचारियों का सम्मान किया गया। संगठन द्वारा पिछले 32 वर्षों से निरंतर यह आयोजन किया जा रहा है। ग्राम रवेली के कर्मचारियों ने 32 वर्ष पूर्व संगठन का गठन कर भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिभावान बच्चों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने की परंपरा प्रारंभ की थी। इस आयोजन से प्रेरित होकर गांव के अनेक होनहार बच्चे आज शिक्षा, प्रशासन, तकनीक एवं अन्य क्षेत्रों में देश-विदेश में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं।



कार्यक्रम का शुभारंभ विगत एक वर्ष के दौरान गांव में दिवंगत हुए व्यक्तियों को सामूहिक रूप से श्रद्धांजलि अर्पित कर एवं उनकी आत्मा की शांति के लिए मौन धारण कर किया गया।

इस अवसर पर कु. नूतन साहू, सुपुत्री श्री रोहित साहू, को कक्षा 12वीं की गणित विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त करने तथा कु. हीना साहू को एम्स, नागपुर में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर चयनित होने पर सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में श्री अभिषेक वर्मा को भारतीय रेलवे में जूनियर इंजीनियर के पद पर चयनित होने, श्री पवन कुमार वर्मा, श्री अंकित वर्मा एवं श्री दीपांकन वर्मा को विभिन्न पदों पर चयनित होने तथा श्री शेष नारायण सेन को स्वास्थ्य विभाग में पदोन्नति प्राप्त होने पर सम्मानित किया गया।

इसके अलावा, श्री तुषार साहू, कु. आस्था वर्मा, श्री शशांक वर्मा एवं श्री सौम्य वर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल करने पर सम्मानित किया गया। साथ ही, राजभवन एवं उद्यानिकी विभाग में दैनिक वेतनभोगी के रूप में कार्यरत कर्मचारियों का भी सम्मान कर उनके योगदान की सराहना की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक श्री कमल वर्मा ने की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि पिछले 32 वर्षों में रवेली गांव के बच्चों ने शिक्षा, प्रशासन, तकनीक एवं विदेशों में अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से गांव का गौरव बढ़ाया है। संगठन के शासन के अधीन पंजीकृत होने से नई पीढ़ी को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे। भविष्य में संगठन शासन के सहयोग से बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगारमूलक कार्यशालाओं का आयोजन भी करेगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रतिभा किसी एक समाज तक सीमित नहीं होती। हमें किसी भी समाज के प्रतिभावान बच्चों से निःसंकोच प्रेरणा लेनी चाहिए। बिना किसी भेदभाव के एक-दूसरे का सहयोग एवं सहारा बनना चाहिए। ईश्वर ने हमें मनुष्य के रूप में जन्म दिया है, इसलिए यह हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है कि अहंकार का त्याग कर दूसरों के उत्तरोत्तर विकास में सदैव सहयोगी बनें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रविशंकर वर्मा थे। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में श्री चेलाराम नायक, श्री छन्नूलाल वर्मा एवं श्री अंगीरा वर्मा उपस्थित रहे।

संगठन के सचिव श्री राजकुमार वर्मा ने कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामीणों एवं संगठन के सदस्यों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. धर्मपाल वर्मा एवं श्री राजेश वर्मा ने किया। सम्मान समारोह के पश्चात ग्राम लिटिया-सेमरिया के सांस्कृतिक मंच द्वारा 'संत समाज नाच पार्टी' का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसका बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने आनंद उठाया। कार्यक्रम में विशेष रूप से श्री कौशल वर्मा, श्री प्रमोद वर्मा, श्री डीलेश वर्मा (कोषाध्यक्ष), श्री जन्मेजय वर्मा, श्री जयंत वर्मा, श्री संतोष वर्मा, श्री विजय वर्मा, श्री हेमशंकर वर्मा, श्री देवेंद्र नायक, श्री धनंजय वर्मा, श्री अशोक चंद्राकर, श्री रामप्यारे वर्मा, श्री टोमन साहू एवं श्रीमती भुनेश्वरी साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हसौद थाने में कार्रवाई का दिखावा या अवैध रेत कारोबारियों से कथित सांठगांठ? तीन बिना नंबर के ट्रैक्टर पकड़कर छोड़े जाने का आरोप

नीलकंठ धिरहे / जनता के गोठ

सक्ती // जिले के हसौद थाना क्षेत्र में पुलिस की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। यहां कानून का पालन कराने की जिम्मेदारी संभालने वाले पुलिस अधिकारियों की भूमिका को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। मामला अवैध रेत परिवहन में संलिप्त तीन ट्रैक्टरों का है, जिन्हें कथित तौर पर पकड़ने के बाद बिना किसी स्पष्ट कार्रवाई के छोड़ दिया गया।



सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, 12 नवंबर 2026 की सुबह हसौद थाना प्रभारी द्वारा अवैध रेत से लदे तीन ट्रैक्टरों को पकड़कर थाना परिसर में खड़ा कराया गया था। बताया जा रहा है कि तीनों ट्रैक्टर बिना नंबर प्लेट के थे और उनमें रेत लोड थी। दिनभर ये वाहन थाना परिसर में खड़े रहे, लेकिन शाम ढलते ही तीनों ट्रैक्टरों को छोड़ दिए जाने की चर्चा क्षेत्र में तेजी से फैल गई।

आखिर किसके इशारे पर छोड़े गए ट्रैक्टर?- इस पूरे घटनाक्रम ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि तीनों ट्रैक्टर अवैध रेत परिवहन करते पकड़े गए थे, तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई क्यों नहीं हुई? बिना नंबर प्लेट के चल रहे वाहनों के दस्तावेजों की जांच हुई या नहीं? खनिज विभाग को मामला सौंपने की बात कही गई थी तो फिर कार्रवाई पूरी होने से पहले ही वाहन किस आधार पर छोड़ दिए गए?

सूत्रों के हवाले से कथित लेनदेन के बाद वाहनों को छोड़ने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। यदि ऐसा हुआ है तो यह केवल अवैध रेत परिवहन का मामला नहीं, बल्कि कानून के पालन और पुलिस की जवाबदेही से जुड़ा गंभीर विषय है।

थाने के सीसीटीवी कैमरे उगल सकते हैं पूरा सच!- इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण पहलू हसौद थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे हैं। सुबह से लेकर देर शाम तक की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखकर उसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए तो स्पष्ट हो सकता है कि तीनों ट्रैक्टर कब थाने लाए गए, कितनी देर परिसर में खड़े रहे और किस समय किसकी मौजूदगी में बाहर निकाले गए। जरूरत पड़ने पर संबंधित पुलिसकर्मियों की भूमिका और वाहनों को छोड़ने के आदेश की भी जांच की जानी चाहिए।

पुलिस अधीक्षक से सीधे सवाल, क्या होगी निष्पक्ष जांच?- अब देखना यह है कि सक्ती जिले के पुलिस अधीक्षक इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेकर जांच के आदेश देते हैं या फिर मामला अन्य मामलों की तरह ठंडे बस्ते में चला जाएगा। थाना परिसर के सीसीटीवी फुटेज, जब्ती संबंधी दस्तावेज, खनिज विभाग को भेजे गए पत्र और संबंधित अधिकारियों के बयानों की जांच से सच्चाई सामने आ सकती है।

क्षेत्र में यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई करने के बजाय पकड़े गए वाहनों को ही छोड़ दिया जाएगा, तो रेत माफियाओं पर अंकुश कैसे लगेगा? आखिर आम नागरिकों के लिए कानून सख्त और अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के लिए इतनी नरमी क्यों? अब हसौद पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवालों का जवाब जांच से मिलना चाहिए।

मवेशी तस्करी पर रामचंद्रपुर पुलिस का शिकंजा, तीन आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर (जनता के गोठ) : बलरामपुर जिले में मवेशी तस्करी के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में थाना रामचंद्रपुर पुलिस ने मवेशी तस्करी के एक मामले में एंड-टू-एंड कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रियाजुल अंसारी (42 वर्ष), साबिर अंसारी (27 वर्ष) और सफी मोहम्मद (35 वर्ष) के रूप में हुई है। तीनों रामचंद्रपुर थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों के निवासी हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 23 सितंबर 2026 को प्रार्थी एवं मुखबिर से मवेशी तस्करी की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना की तस्दीक के बाद थाना रामचंद्रपुर में अपराध क्रमांक 44/2026 के तहत छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6



एवं 10 तथा छत्तीसगढ़ पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। इस मामले में पुलिस ने 26 सितंबर 2026 को आरोपी कयामुद्दीन को मौके से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। वहीं, प्रकरण की आगे की विवेचना और एंड-टू-एंड कार्रवाई के तहत पुलिस ने 13 नवंबर 2026 को मामले में संलिप्त तीन अन्य आरोपियों रियाजुल अंसारी, साबिर अंसारी एवं सफी मोहम्मद को विधिवत गिरफ्तार किया। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार मामले के अन्य पहलुओं की भी गहन जांच की जा रही है। मवेशी तस्करी से जुड़े पूरे नेटवर्क और अन्य संभावित संलिप्तता को लेकर विवेचना जारी है।

छठ पर्व की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा, व्यवस्थाओं को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

बलरामपुर (जनता के गोठ) : सूर्य उपासना के महापर्व छठ को देखते हुए कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने अधिकारियों के साथ सेंदुर नदी स्थित छठ घाट पहुँचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने छठ पूजा समिति के सदस्यों से आयोजन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर चर्चा की तथा अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएँ समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।



कलेक्टर ने घाटों और पूजा स्थलों पर पुलिस बल व नगर सैनिकों की तैनाती, मुख्य मार्गों पर बैरिकेडिंग, आवागमन मार्ग निर्धारण और पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था करने को कहा। घाटों पर बिजली, साफ-सफाई और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के साथ आपात स्थिति के लिए स्वास्थ्य टीम और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। घाट में सुरक्षा के लिए गोताखोरों की तैनाती और श्रद्धालुओं की निगरानी के इंतजाम करने को भी कहा। उन्होंने पुलिस और राजस्व विभाग को आपसी समन्वय से शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं का आवागमन सहज और सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम विवेक चन्द्रा, जनप्रतिनिधि, संबंधित विभागों के अधिकारी और छठ पूजा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

कृषक उन्नति योजनाः धान बेचने वाले किसानों को 13,839 रुपये प्रति एकड़ आदान सहायता, कम धान बेचने पर भी मिलेगी पूरी राशि

बलरामपुर (जनता के गोठ) : धान उत्पादक किसानों को खेती में पर्याप्त निवेश और कास्त लागत में राहत देने के लिए राज्य शासन ने खरीफ 2026 से कृषक उन्नति योजना के क्रियान्वयन के नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।



इसके तहत खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को बोए गए रकबे के आधार पर 13,839 रुपये प्रति एकड़ की एकसमान दर से आदान सहायता राशि दी जाएगी। जिले में 15 नवंबर से 54 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी शुरू हो रही है और यहाँ धान बेचने वाले सभी पात्र किसानों को इसका लाभ मिलेगा। यह राशि 3100 रुपये और कॉमन धान के समर्थन मूल्य 2441 रुपये के अंतर, यानी 659 रुपये को प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल से गुणा कर तय की गई है। राशि किसानों के आधार लिंक्ड बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से सीधे भेजी जाएगी।

योजना की सबसे बड़ी राहत यह है कि प्रति एकड़ 21 क्विंटल से कम धान बेचने पर भी किसान को पूरे बोए गए रकबे के लिए 13,839 रुपये प्रति एकड़ की पूरी राशि मिलेगी। उदाहरण के लिए, एक एकड़ में धान बोने वाला किसान केवल 15 क्विंटल धान बेचे, तब भी उसे 13,839 रुपये मिलेंगे। इसी तरह 2.5 एकड़ में धान बोने वाले किसान को, भले ही वह 52.5 क्विंटल की सीमा के बजाय केवल 38 क्विंटल धान बेचे, 34,597.50 रुपये की सहायता राशि मिलेगी। योजना का लाभ लेने के लिए किसान का एग्रीस्टैक में पंजीयन अनिवार्य है। किसानों को धान विक्रय का टोकन लेते समय ही योजना के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना होगा। बोए गए रकबे की पुष्टि डिजिटल क्रॉप सर्वे से होगी। जहाँ डिजिटल क्रॉप सर्वे का डेटा उपलब्ध नहीं है, वहाँ कलेक्टर की अनुमति से गिरदावरी के आधार पर रकबे का सत्यापन होगा। पिछले वर्ष धान न बेचने वाले जो किसान इस वर्ष धान बेचेंगे, उनके रकबे का सत्यापन भी कलेक्टर द्वारा कराया जाएगा। बीज निगम को धान बीज बेचने वाले पंजीकृत बीज उत्पादक किसान भी योजना के पात्र होंगे। ग्रीष्मकालीन धान पर यह योजना लागू नहीं होगी। ट्रस्ट, मंडल, निजी कंपनियाँ, शाला विकास समिति और शासकीय संस्थान भी इसके पात्र नहीं होंगे। राशि का भुगतान कृषि भूमि सीलिंग कानून के प्रावधानों के अधीन होगा। पात्रता से अधिक भुगतान होने पर संबंधित किसान से राशि वसूल की जा सकेगी। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे कृषक उन्नति योजना का लाभ लेने के लिए एग्रीस्टैक में अपना पंजीयन अवश्य सुनिश्चित करें और बैंक खाता आधार से लिंक रखें। उन्होंने कहा कि धान विक्रय का टोकन लेते समय ही योजना के लिए आवेदन करना न भूलें, ताकि आदान सहायता राशि समय पर सीधे उनके खाते में पहुँच सके। किसी भी जानकारी या समस्या के लिए किसान अपनी नजदीकी सहकारी समिति या कृषि विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

हर घर दस्तक, हर दिल से संवादः 21 नवंबर से विधायक अनुज शर्मा की 28 दिवसीय 'सेवा संवाद यात्रा'

जनता के गोठ

धरसींवा। जनता की समस्याओं का उनके घर की दहलीज पर ही समाधान करने के संकल्प के साथ धरसींवा विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा आगामी 21 नवंबर से 18 दिसंबर 2026 तक विधानसभा क्षेत्र में 'सेवा संवाद यात्रा' निकालेंगे। 28 दिनों तक चलने वाले इस महाजनसंपर्क अभियान का विधिवत शुभारंभ 21 नवंबर को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य में हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा।

यात्रा की रूपरेखा साझा करने के लिए सेवा सदन में आयोजित पत्रकार वार्ता में विधायक श्री शर्मा ने रायपुर एवं धरसींवा क्षेत्र से पहुंचे प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व डिजिटल मीडिया के पत्रकारों तथा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का स्वागत करते हुए पर्वों की शुभकामनाएं दीं।



144 गांवों में घर-घर पहुंचेंगे विधायक- पत्रकारों से चर्चा करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि 'सेवा संवाद यात्रा' केवल एक राजनीतिक दौरा नहीं, बल्कि जनता की उम्मीदों को धरातल पर उतारने का महाअभियान है। इस सघन यात्रा के दौरान वे विधानसभा के सभी 144 गांवों में घर-घर जाकर नागरिकों से भेंट करेंगे। इस दौरान स्थानीय स्तर की बुनियादी समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित निराकरण किया जाएगा और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाएगा।

ग्रामीणों के घर भोजन और गांव में ही रात्रि विश्राम- इस यात्रा की सबसे प्रमुख विशेषता यह रहेगी कि विधायक पूरे एक महीने तक अपने क्षेत्र की जनता के बीच परिवार के सदस्य की तरह रहेंगे। यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की विशेष या वीआईपी व्यवस्था नहीं होगी। वे ग्रामीणों के घर पर ही उन्हीं के साथ बैठकर सादगीपूर्ण भोजन करेंगे और गांवों में ही रात्रि विश्राम करेंगे, ताकि ग्रामीण जीवन की वास्तविक स्थिति और आम आदमी की तकलीफों को करीब से समझा जा सके। धरसींवा विधानसभा मेरा परिवार है और यहां के हर एक नागरिक की सेवा करना मेरा सर्वोपरि कर्तव्य है। हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र के साथ आम जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। डबल इंजन सरकार की नीतियों के अनुरूप क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी सुविधाओं और रोजगार के अवसरों को बढ़ाते हुए अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए हमारी पूरी टीम पूरी निष्ठा और समर्पण भाव से तत्पर है।÷

पद्मश्री अनुज शर्मा, विधायक (धरसींवा) यात्रा प्रभारियों की बैठक में तय हुई रणनीति प्रेस कॉन्फ्रेंस के उपरांत सेवा सदन में 'सेवा संवाद यात्रा' के सफल संचालन के लिए यात्रा प्रभारियों एवं प्रमुख पदाधिकारियों की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक श्री शर्मा ने यात्रा के रूट चार्ट, प्रतिदिन के प्रवास कार्यक्रम, गांवों में होने वाली जनचौपाल, स्वागत एवं भोजन व्यवस्था तथा प्रशासनिक समन्वय को लेकर विस्तार से चर्चा की और सभी प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ये रहे उपस्थित- इस अवसर पर यात्रा प्रभारी अरविंद ठाकुर, चंद्रशेखर शुक्ला, कृष्ण कुमार वर्मा, नरेंद्र ठाकुर, रूखमनी वर्मा, शिवशंकर वर्मा, राजीव अग्रवाल, संदीप यदु, सरोज चंद्रवंशी, दिनेश खूँटे, टिकेश्वर मनहरे, सुरेन्द्र वर्मा, गोविंद साहू, सुनीता अनिल सोनी, रॉबिन साहू, पिंटू साहू, रश्मि वर्मा, बी.आर. गौतम, गोपेश साहू, मिथलेश वर्मा, निहाल सिंह वर्मा, अमरीका वर्मा, अश्वनी वर्मा, नत्थू यदु, सुमित सेन।

बलरामपुर जिले में 15 नवंबर से 54 केंद्रों में धान खरीदी, किसान साफ और सूखा धान लेकर पहुँचें, नमी की अधिकतम सीमा 17 प्रतिशत

बलरामपुर (जनता के गोठ) : बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में 15 नवंबर से 44 समितियों के 54 उपार्जन केंद्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होगी। इनमें इस वर्ष शुरू हो रहे सिहार, परसागुड़ी, लिलौटी, चेरा और पचावल के 5 नए केंद्र भी शामिल हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए धान की गुणवत्ता और तौल संबंधी मापदंड जारी किए हैं। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे इन मापदंडों के अनुरूप साफ और अच्छी तरह सुखाया हुआ धान ही केंद्रों में लाएँ, ताकि विक्रय में किसी तरह की परेशानी न हो।

निर्धारित मापदंडों के अनुसार धान में नमी की अधिकतम मात्रा 17 प्रतिशत होनी चाहिए। विजातीय पदार्थों में अकार्बनिक और कार्बनिक पदार्थों की सीमा अलग-अलग एक प्रतिशत तय की गई है।



अपरिपक्व, सिकुड़े और छोटे दानों की अधिकतम सीमा तीन प्रतिशत तथा निम्न श्रेणी के धान के मिश्रण की सीमा छह प्रतिशत है। क्षतिग्रस्त, अंकुरित और चुने हुए दाने चार प्रतिशत से अधिक नहीं होने चाहिए। धान सामान्य का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,441 रुपये और ग्रेड-ए का 2,461 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि राज्य शासन किसानों से 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदेगा। उपार्जन केंद्रों में तौल के दौरान प्रति बोरा 40 किलोग्राम धान की भर्ती होगी और नए जूट बारदाने का वजन 545 ग्राम से 626 ग्राम के बीच निर्धारित है। किसान तौल के समय धान की मात्रा और बारदाने के वजन पर ध्यान दें। केंद्रों में असुविधा और लंबी कतारों से बचने के लिए किसान 'तुहर टोकन' ऐप से घर बैठे टोकन ले सकते हैं। इस वर्ष खरीदी बायोमेट्रिक सत्यापन से होगी, इसलिए किसान स्वयं या उनके नामांकित व्यक्ति केंद्र पर उपस्थित रहें।

जनजाति समाज के उत्थान को देखकर पीड़ा में है कांग्रेसः वन मंत्री केदार कश्यप

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री साय पर लगाए जा रहे आरोपों पर मंत्री ने किया पलटवार

15 नवंबर को धरमजयगढ़ में आयोजित राज्यस्तरीय 'जनजातीय गौरव दिवस' समारोह में शामिल होने की अपील

जनता के गोठ

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस पार्टी द्वारा भारतीय जनता पार्टी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पर लगाए जा रहे आरोपों पर कड़ा पलटवार किया है। जारी बयान में श्री कश्यप ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को दूसरों पर आरोप लगाने से पहले अपने गिरेबां में झांकना चाहिए।

नक्सलवाद और जनजातीय कल्याण योजनाओं का उल्लेख- वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि जिन लोगों ने कभी नक्सलियों को अपना रोल मॉडल बताया था, आज देश से उस पूरे नक्सलवाद का सफाया प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व के कारण ही संभव हो पाया है। उन्होंने उल्लेख किया कि देश में पृथक जनजाति कार्य मंत्रालय का गठन पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की देन है।



श्री कश्यप ने आगे कहा कि वर्तमान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'जनजातीय गौरव दिवस' मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया और 'धरती आबा' के नाम से विशेष योजना शुरू की। उन्होंने बताया कि इस योजना से हजारों गांव जुड़े हैं और देश की लगभग आधी जनजाति आबादी यानी करीब 6 करोड़ लोगों को इन योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है।

कांग्रेस की नीतियों पर लगाए गंभीर आरोप- वन मंत्री श्री कश्यप ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शीर्ष और राज्य नेतृत्व को इस बात की पीड़ा है कि जनजाति समाज का अब शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक दृष्टि से तेजी से उत्थान हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के शासनकाल में जनजाति समुदाय की उन्नति के लिए कभी ठोस योजनाएं नहीं बनीं, बल्कि वे जनजाति समाज को दिल्ली और मुंबई ले जाकर केवल नचाने का काम करते थे। श्री कश्यप ने कहा कि जनजाति समुदाय अब आगे बढ़ रहा है और इसी हताशा के कारण कांग्रेस नेता अनर्गल आरोप लगा रहे हैं, जिसे प्रदेश की जनता और जनजाति समाज भली-भांति समझ चुका है।

धरमजयगढ़ के 'जनजातीय गौरव दिवस' समारोह में शामिल होने की अपील- श्री कश्यप ने प्रदेशवासियों से आगामी 15 नवंबर को धरमजयगढ़ में आयोजित होने वाले 'जनजातीय गौरव दिवस' समारोह में सपरिवार सम्मिलित होने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनजातीय महानायकों और शूरवीरों की शौर्य गाथा को जन-जन तक पहुंचाने तथा गौरवशाली इतिहास पर गर्व करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस दिवस को मनाने की शुरुआत की है।

उन्होंने जानकारी दी कि इस वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में धरमजयगढ़ में राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश के वरिष्ठ नेता, मंत्रिमंडल के सदस्य तथा जनजातीय समाज के लिए विशेष रूप से कार्य करने वाले प्रमुख प्रबुद्धजन उपस्थित रहेंगे। मंत्री ने युवाओं और आम जनता से इस संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आग्रह किया।

दिवाली के बाद फिर गुलजार हुआ हसौद का काट

पत्ती जुआ, नरियरा में बड़े फड़ के संचालन की चर्चा

हसौद पुलिस बनी मूकदर्शक!

बड़े जुए पर सक्ती साइबर टीम को करनी पड़ी कार्रवाई, स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल, सांठगांठ के भी लग रहे आरोप

नीलकंठ धिरहे / जनता के गोठ

सक्ती। हसौद थाना क्षेत्र में काट पत्ती जुए का कथित कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। दिवाली के दौरान संचालित होने वाले जुए के फड़ एक बार फिर ग्राम नरियरा में सक्रिय होने की चर्चाएं सामने आ रही हैं। बताया जा रहा है कि यहां ताश के पत्तों पर बड़े स्तर पर दांव लगाए जा रहे हैं तथा स्थानीय खिलाड़ियों के साथ दूसरे जिलों से भी जुआरी पहुंच रहे हैं। इसके बावजूद हसौद पुलिस की कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह के सवाल उठने लगे हैं।

बड़े जुए पर स्थानीय पुलिस की जगह साइबर टीम ने की थी कार्रवाई- इस पूरे मामले का सबसे



अहम पहलू यह है कि पूर्व में हसौद थाना क्षेत्र में संचालित बड़े जुए के फड़ पर सक्ती की साइबर टीम ने कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई ने स्थानीय पुलिस की निगरानी और सूचना तंत्र को लेकर सवाल खड़े कर दिए थे। जब थाना क्षेत्र में बड़े स्तर पर जुए की गतिविधियां संचालित होने की जानकारी दूसरी पुलिस टीम तक पहुंच सकती है, तो स्थानीय पुलिस को इसकी भनक क्यों नहीं लगती? आखिर थाना क्षेत्र में होने वाली ऐसी गतिविधियों पर नियमित निगरानी की जिम्मेदारी किसकी है?

छोटे जुआरियों पर कार्रवाई, बड़े संचालकों पर चुप्पी क्यों?- स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि पुलिस छोटे-मोटे जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई कर अपनी सक्रियता दिखाती है, लेकिन कथित बड़े जुआ संचालकों पर कार्रवाई के मामले में पुलिस की तत्परता नजर नहीं आती। नरियरा में फिर से जुए का फड़ संचालित होने की चर्चाओं ने इन सवालों को और गंभीर बना दिया है।

सांठगांठ की चर्चाओं ने बढ़ाई पुलिस की मुश्किलें- क्षेत्र में यह आरोप भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि जुए के कथित संचालकों को किसी प्रकार की कार्रवाई का भय नहीं है। कुछ लोगों द्वारा पुलिस से कथित सांठगांठ की बातें भी कही जा रही हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लगातार सामने आ रही शिकायतों के बाद पुलिस प्रशासन के लिए स्थिति स्पष्ट करना जरूरी हो गया है।

एसपी सक्ती से निष्पक्ष जांच की मांग- अब सवाल यह है कि क्या हसौद पुलिस नरियरा में कथित रूप से संचालित काट पत्ती जुए के फड़ पर कार्रवाई करेगी या फिर एक बार फिर मामला केवल छोटे जुआरियों की गिरफ्तारी तक सीमित रह जाएगा? क्षेत्रवासियों ने पुलिस अधीक्षक सक्ती से मांग की है कि मामले की स्थानीय थाना स्तर से अलग निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा जुआ संचालित करने वाले मुख्य लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाए।

संपादकीय

महिला आरक्षण की आस

संसद के मानसून सत्र का तीन माह बाद भी सत्रावसान न किए जाने से जिन चर्चाओं को खूब बल मिला, उनमें सबसे प्रमुख यही रही कि सरकार कभी भी विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण लागू करने वाले कानून में संशोधन वाले विधेयक के साथ परिसीमन विधेयक को भी पारित करने का प्रयत्न कर सकती है। अब इसके आसार और बढ़ते दिख रहे हैं। इसका एक कारण तो यह है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव निकट आ गए हैं और दूसरे, महिला आरक्षण वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को 2029 से पहले तभी लागू किया जा सकता है, जब नई जनगणना के नतीजों की प्रतीक्षा न की जाए। इस अधिनियम में यह प्रविधान था कि महिला आरक्षण नई जनगणना के हिसाब से होने वाले परिसीमन के बाद लागू किया जाएगा, लेकिन कोविड महामारी के कारण जनगणना में जो विलंब हुआ, उसके चलते लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण 2029 से पहले लागू करना संभव नहीं।इसे संभव बनाने के लिए ही सरकार ने कुछ माह पहले विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के साथ परिसीमन विधेयक पारित कराने की कोशिश की थी, लेकिन विपक्ष के असहयोग के कारण वह इसमें नाकाम रही। हालांकि सरकार ने विपक्ष को संतुष्ट करने के लिए सभी राज्यों में 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था, ताकि हर राज्य का लोकसभा में प्रतिनिधित्व प्रतिशत वही रहे और महिला आरक्षण लागू करने का सभी दलों का वचन भी पूरा हो जाए। विपक्ष को यह अलिखित प्रस्ताव रास नहीं आया। चूंकि अब सरकार सभी राज्यों की 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने के प्रस्ताव को विधेयक का हिस्सा बनाने के संकेत दे रही है, इसलिए वह महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के साथ परिसीमन विधेयक को पारित कराने में सफल हो सकती है। ऐसा होने का एक कारण विपक्षी गठबंधन में बिखराव और टूट-फूट होना भी है। जहां तृणमूल कांग्रेस के 20 लोकसभा सदस्य उससे अलग हो चुके हैं, वहीं आम आदमी पार्टी के आठ राज्यसभा सदस्य भी भाजपा में आ चुके हैं। इसके अलावा द्रमुक विपक्षी गठबंधन से बाहर आ गया है और उसे सभी राज्यों की 50 या 33 प्रतिशत लोकसभा सीटें बढ़ाने की सरकार की पहल में न तो कोई खामी दिख रही है और न ही तमिलनाडु का राजनीतिक अहित। 50 के स्थान पर 33 प्रतिशत सीटों का प्रस्ताव इसलिए सबको रास आ सकता है, क्योंकि महिला आरक्षण के तहत इतने प्रतिशत ही सीटें बढ़नी हैं। जो भी हो, विपक्षी दलों को यह विस्मृत नहीं करना चाहिए कि 2023 में महिला शक्ति वंदन अधिनियम संसद के दोनों सदनों से लगभग सर्वसम्मति से पारित हुआ था।

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती

- ललित गर्ग



आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।

इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण 2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं-विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना। दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी?

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं। भारत के संदर्भ में स्थिति और भी गंभीर है। देश एक ओर बढ़ती गर्मी, अनियमित मानसून, बाढ़ और सूखे का सामना कर रहा है, तो दूसरी ओर महानगरों में वायु प्रदूषण ने स्वास्थ्य संकट को गहरा कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के आसपास प्रदूषण का जो भयावह स्तर देखने को मिला, उसने स्पष्ट कर दिया कि वायु केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि अब स्वास्थ्य का सबसे बड़ा संकट भी बन सकती है। लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश, सांस लेने में कठिनाई, खांसी और अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

अब दूध पर भी मंहगाई की मारःचुप है सरकार

- राकेश अचल



खाडी युद्ध की वजह से डीजल पेट्रोल के दाम बढे तो जनता ने सब्र से काम लिया,लेकिन अब जब घरेलू दूध के दाम बढ गए तो जनता कहाँ जाए,क्यो दूध तो खाडी देशों से आता नहीं है.ताजा खबर ये है कि देशभर में अमूल दूध के उपभोक्ताओं को अब दूध खरीदने के लिए ज्यादा कीमत चुकानी होगी.

गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन ने अमूल के ताजा पैक दूध की कीमतों में करीब 4 से 5 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने का फैसला किया है.नई दरें 12 नवंबर 2026 से देशभर के प्रमुख बाजारों में लागू हो गयी हैं.

कंपनी के मुताबिक, अमूल के सबसे ज्यादा बिकने वाले वेरिएंट अमूल ताजा टोंड मिल्क (3 प्रतिशत फैट) की कीमत में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। यह करीब 3.3 प्रतिशत की वृद्धि है। वहीं, अमूल गोल्ड (6 प्रतिशत फैट) की कीमत 4 रुपये प्रति लीटर बढ़ाई गई है, जो लगभग 5.5 प्रतिशत की वृद्धि है.

फेडरेशन के मुताबिक दूध की कीमतों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण उत्पादन और प्रोसेसिंग की लागत में लगातार इजाफा होना है.पिछले एक साल के दौरान हरे और सूखे चारे, पशु आहार में इस्तेमाल होने वाले तेल खली, मक्का और शीरे जैसे कच्चे माल की कीमतों में काफी वृद्धि हुई है. इसके अलावा दूध की पैकेजिंग फिल्म और ईंधन की लागत भी बढ़ी है.जब एथनाल बनाने के लिए मक्का और शीरा दूसरे बाजार में जाएगा तो मार दुग्ध उत्पादन पर पडेगी ही.लेकिन सरकार ये सब माने तब न.

कंपनी ने बताया कि गुजरात समेत देश के कई हिस्सों में कम और असमान बारिश के कारण पशुपालकों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है.ऐसे चुनौतीपूर्ण हालात में दूध उत्पादक किसानों को बेहतर कीमत देना जरूरी हो गया है. इससे पहले, मदर डेयरी दूध के दाम में भी 2-4 रुपये प्रति लीटर बढ़ोतरी हुई है.

फेडरेशन के मुताबिक, पिछले एक साल में सदस्य दुग्ध संघों ने किसानों से दूध खरीदने की कीमतों में 4 से 5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है. अब किसानों को और बेहतर भुगतान करने के उद्देश्य से दूध की खुदरा कीमतों में संशोधन किया गया है.

फेडरेशन ने यह भी बताया कि अमूल के सहकारी ढांचे के तहत उपभोक्ताओं से मिलने वाले राजस्व का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा देश के 36 लाख दुग्ध उत्पादकों को वापस किया जाता है.दूध की बिक्री कीमत में हुई बढ़ोतरी का बड़ा हिस्सा भी किसानों तक पहुंचेगा. इस कदम से दुग्ध उत्पादकों को आर्थिक सहायता मिलेगी और उन्हें दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन मिलता रहेगा.

आपको बता दूं कि भारत दुनिया में दूध उत्पादन के मामले में पहले नंबर पर है. भारत में दूध की कमी नहीं है, बल्कि दुनिया के कुल दूध उत्पादन का लगभग 25 प्रतिशत भारत में होता है.

भारत सरकार के नवीनतम उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार भारत में वर्ष 2022-23 में 230.58 मिलियन टन,वर्ष 2023-24में 239.30 मिलियन टन और वर्ष 2024-25 में 247.87 मिलियन टन दूध का उत्पादन हुआ.

भारत में प्रतिदिन औसतन लगभग 67.9 करोड़ लीटर दूध पैदा होता है.संसद में सरकार ने 2023-24 के अप्रैल से नवंबर के बीच दूध एवं दुग्ध उत्पादों का आयात कुल दूध उत्पादन का मात्र 0.03% बताया था.लेकिन वर्ष 2024-25 के लिए उपलब्ध सरकारी आंकड़ों में दुग्ध उत्पादों के आयात का मूल्य भी दर्ज है, एपीईडीएँ के अनुसार 2025-26 में भारत का 97,524.82 टन दुग्ध उत्पाद जो करीब 407.12 मिलियन अमेरिकी डॉलर का था निर्यात किया गया.

भारत के दुग्ध उत्पाद मुख्यत: संयुक्त अरब अमीरात,सऊदी अरब,बहरीन, अमेरिका,मिस्र और भूटा को निर्यात किए जाते हैं.यदि सरकार निर्या रोके तो घरेलू बाजार में दूध की बढती कीमतों को रोका जा सकता है.

पुराना टकराव फिर उभारने वाले अतीत के पन्ने

रशीद किदवई

गांधी-नेहरू परिवार से जुड़े विभिन्न पहलुओं को लेकर भारत में हमेशा से उत्सुकता का एक भाव रहा है। सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बीलोंगिंग: ए जर्नी आफ लव' ने इस उत्सुकता के भाव को बढ़ा दिया है। उन्होंने जो कुछ लिखा है, उसके विभिन्न पहलुओं पर खूब चर्चा हो रही है और आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी चल निकला है, लेकिन इनमें एक प्रमुख चर्चा परिवार की दो बहुओं सोनिया गांधी और मेनका गांधी के बीच समीकरणों को लेकर है। सोनिया गांधी की पुस्तक ने दोनों के बीच रिश्तों को लेकर नए सिरे से बहस शुरू कर दी है। सोनिया ने अपने संस्मरण में मेनका के साथ शुरुआती दिनों के अपने जुड़ाव से लेकर उनके घर छोड़ने तक के घटनाक्रम को याद किया है। जहां एक ओर उन्होंने मेनका की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं और खराब बर्ताव की खुलकर आलोचना की है, वहीं महज 23 साल की उम्र में पति संजय गांधी को खोने के बाद उनके हिस्से आई गहरी वेदना को भी भीतर तक महसूस किया है। सोनिया के अनुसार शुरुआत में मेनका के साथ सब कुछ अच्छा चलता रहा। मेनका कभी-कभार नखरें दिखातीं भी तो इंदिरा और सोनिया उन्हें उम्र में छोटा समझकर नजरअंदाज कर देते, लेकिन कुछ समय बाद घर में छोटी-छोटी बातों को लेकर भी तनाव बढ़ने लगा। जल्द ही ये घरेलू तनाव राजनीतिक दूरियों में तब्दील हो गए और आखिरकार परिवार में बड़ी दरार पड़ गई। सोनिया के संस्मरण से एक और बड़ी बात यह भी उजागर हुई कि कैसे मेनका की वजह से दोनों भाइयों राजीव और संजय के आपसी रिश्ते भी तनावपूर्ण होते चले गए। सोनिया के अनुसार संजय की राजनीतिक गतिविधियों में मेनका की लगातार बढ़ती दखलंदाजी का परोक्ष असर राजीव और संजय के भाईचारे पर भी गहराने लगा था। संजय और मेनका की शादी के चंद महीनों बाद ही पारिवारिक सदस्यों के आपसी रिश्ते कितने तल्ख हो गए थे, इसका जिक्र सोनिया की इस किताब से पहले भी कई लब्धप्रतिष्ठ विश्लेषकों एवं लेखकों ने भी समय-समय पर अपने संस्मरणों में किया है। सोनिया गांधी पर पेंगुइन से प्रकाशित मेरी किताब 'सोनिया: ए बायोग्राफी' में पत्रकार एवं लेखक खुशवंत सिंह द्वारा उद्धृत एक वाकया गौरतलब है। बकौल खुशवंत सिंह, 'एक बार राजीव और सोनिया अपने एक बच्चे की जन्मतिथि मना रहे थे। उस मौके पर मैं भी मौजूद था। मैंने देखा कि दोनों भाई अपनी-अपनी पत्नियों के साथ घर के अलग-अलग छोर पर थे, मानो उनका एक-दूसरे से कोई लेना-देना ही न हो।' बीके नेहरू ने भी अपने संस्मरण 'नाइस गाइज फिनिश सेकंड' में इंदिरा गांधी के 12, विलिंग्डन क्रिसेंट वाले घर (जहां 1977 में सत्ता से बेदखल होने के बाद इंदिरा गांधी पूरे परिवार के साथ करीब ढाई साल रही थीं) में बिगड़ते रिश्तों का वर्णन इस तरह से किया, 'घर के कामकाज को लेकर अक्सर समस्याएं रहती थीं। भोजन पकाने का दायित्व सोनिया का था और मेनका सिर्फ खाने का काम करती थीं।इंदिरा के दोनों बेटों और उनकी पत्नियों के बीच संबंध अच्छे नहीं रह गए थे।'

आज का राशिफल

मेष- आज के दिन आपको लाभ के अवसर मिलेंगे लेकिन आपका स्वभाव अकस्मात गर्म होने पर इससे वंचित भी रह सकते है इसका ध्यान रखें। बड़े कार्यो का अधिक देख भाल कर ही करें।

वृष -आज के दिन आपके अंदर आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होगा भक्ति भावो में डूबे रहेंगे। कार्य व्यवसाय से आज ज्यादा उम्मीद ना रखें थोड़ा बहुत व्यवसाय ही रहने से धन की आमद भी सीमित रहेगी।

मिथुन- आज के दिन आपका स्वभाव स्वयं के दृष्टिकोण से ठीक लेकिन अन्य लोगो की नजर में अटपटा सा लगेगा। किसी से भी जल्दबाजी में वादा करेंगे लेकिन पूरा करने के समय बगलें झांकते नजर आएंगे।

कर्क- आज आपका स्वभाव मनमौजी रहेगा अपने मे मस्त रहेंगे आवश्यक कार्यो को भी मजबूरी में करेंगे अथवा टालने के ही प्रयास करेंगे जिससे घर के सदस्यों के साथ मन मुटाव होगा।

सिंह- आज का दिन आपको किसी न किसी रूप में धन का हास कराएगा। कार्य क्षेत्र हो या किसी से व्यक्तिगत संबंध आज किसी के ऊपर भी आँख बंद कर विश्वास ना करें अन्यथा पछताना पड़ेगा।

कन्या -आज के दिन आप असमंजस की स्थिति में रहेंगे। दिन के आरम्भ में थोड़ी सुस्ती रहेगी लेकिन मध्यान तक कार्यो के प्रति गंभीर हो जाएंगे। थोड़ा धैर्य रख दिमाग से काम ले तो सफलता अवश्य मिलेगी।

तुला - आज का दिन सामान्य से उतम रहेगा। दिन के आरम्भ से ही आध्यात्म में रुचि रहेगी घरेलू पूजा पाठ के साथ धार्मिक क्षेत्र की यात्रा के अवसर भी मिलेंगे।

वृश्चिक -आज के दिन आपकी धार्मिक भावनाए प्रबल रहेंगी। दिन के आरंभ में पूजा पाठ के लिये समय देंगे लेकिन आज मन कही और ही भटकने के कारण मानसिक शांति और एकाग्रता कम रहेगी।

धनु - आज का दिन शारीरिक दृष्टिकोण से बीते कुछ दिनों की तुलना में बेहतर रहेगा चुस्ती की कमी दिन के आरम्भ में रहेगी लेकिन मध्यान बाद से सामान्यता आने लगेगी।

मकर - बीते दिन की तुलना में आज का दिन शांतिदायक रहेगा फिर भी पुरानी बातों को भूलने का प्रयास कर नई योजना बनाने में समय का उपयोग करे आगे समय धन लाभ वाला बन रहा है।

कुंभ - आज का दिन मिला जुला फल देने वाला रहेगा। दिन के आरम्भ में जो भी योजना बनाएंगे परिस्थितिवश उसमे बदलाव करना पड़ेगा। आज भाई बंधुओ से आर्थिक लेनदेन करना पड़ेगा।

मीन - आज के दिन आप प्रत्येक कार्य मे बुद्धि विवेक का परिचय देंगे लेकिन आज व्यक्तिगत स्वार्थ को एक समय नजरअंदाज भी कर लेंगे परन्तु व्यावसायिक स्वार्थ की बात आने पर आपा खो सकते है।

भ्रष्टाचार, काला धन और हवाला कारोबार

वैश्विक स्तरपर भारत में भ्रष्टाचार, काला धन और हवाला कारोबार की समस्या केवल आर्थिक अपराध नहीं,बल्कि देश की प्रशासनिक व्यवस्था, लोकतांत्रिक संस्थाओं, आर्थिक समानता और राष्ट्रीय विकास के सामने खड़ी गंभीर चुनौती है। 8 नवंबर 2016 को भारतीय पीएम ने नोटबंदी की घोषणा करके 500 और 1,000रूपए के पुराने नोटों को चलन से बाहर किया था। उस ऐतिहासिक फैसले के लगभग दस वर्ष बाद भी भ्रष्टाचार और काले धन को लेकर बहस समाप्त नहीं हुई है। अब एनडीए के सहयोगी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू द्वारा 500 रूपए के नोट बंद करने का सुझाव दिए जाने से एक बार फिर देश में बड़ी बहस शुरू हो गई है। उनका तर्क है कि बड़े मूल्य के नकद लेन-देन पर अंकुश लगाने और डिजिटल मुद्रा को बढ़ावा देने से भ्रष्टाचार तथा वित्तीय धोखाधड़ी कम हो सकती है।लेकिन मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यहां एक बुनियादी प्रश्न उठता है कि क्या भ्रष्टाचार की जड़ वास्तव में 500 रूपए का नोट है या वह पूरी व्यवस्था है जिसमें रिश्वत,सरकारी ठेकों में कमीशन,बेनामी संपत्तियां, फर्जी कंपनियां, चुनावी धनबल हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग फलते-फूलते हैं ?मेरा स्पष्ट मत है कि मुद्रा का स्वरूप बदलने से अधिक ज़रूरी है,अपराध करने वाले व्यक्ति, उसके सहयोगियों, वित्तीय नेटवर्क और सरकारी संरक्षण देने वाली व्यवस्था पर कठोर, पारदर्शी और प्रभावी कानूनी कार्रवाई करना।उपर्युक्त धाराओं में सुझाए गए संशोधन नीतिगत प्रस्ताव हैं,वर्तमान कानून का वर्णन नहीं।इन्हें लागू करने से पहले विधि आयोग,संसद और संवैधानिक विशेषज्ञों की समीक्षा आवश्यक होगी।विशेष रूप से यूएपीए, बीएनएस,एनएसए और मृत्युदंड संबंधी प्रस्तावों में नागरिक स्वतंत्रता,निर्दोषता की धारणा और न्यायिक प्रक्रिया की रक्षा अनिवार्य है।इस आर्टिकल के माध्यम से प्रधानमंत्री से ठोस पहल की अपील करते हैं मेरे विचार से भारत को आज एक व्यापक राष्ट्रीय भ्रष्टाचार उन्मूलन नीति की आवश्यकता है। साथियों बात अगर हम नोटबंदी बनाम कानून की बंदिश: असली समाधान कहां है ? इसको समझने की करें तो,यहां एक महत्वपूर्ण आर्थिक पहलू समझना आवश्यक है। 500 रूपए का नोट बंद करने से रिश्वत का लेन-देन अपने आप समाप्त नहीं होगा।

सार्थक बने छात्र संघों की राजनीति

- डॉ. विशेष गुप्ता



हाल में दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया में दो सप्ताह से अधिक चले छात्र आंदोलन के बाद छात्रसंघ चुनाव बहाल करने पर विश्वविद्यालय प्रशासन और छात्रों के बीच सहमति बन गई। प्रशासन ने आगामी शैक्षणिक सत्र शुरू होने के बाद निर्धारित समयसीमा में चुनाव कराने का आश्वासन दिया। छात्रों ने दो दशकों से अधिक समय से निष्क्रिय पड़े छात्रसंघ की बहाली के लिए संघर्ष किया, लेकिन इसी संघर्ष के दौरान जिस तरह संस्थान के परिसरों में आपत्तिजनक नारे लिखे गए, उससे यही पता चला कि छात्र राजनीति अभी भी भटकाव का शिकार है और उसका सरोकार गैर शिक्षण मुद्दों की ओर अधिक है। यह शुभ संकेत नहीं।

जामिया का घटनाक्रम छात्र प्रतिनिधित्व, विश्वविद्यालय की जवाबदेही, युवाओं की राजनीतिक चेतना और शैक्षणिक अनुशासन के बीच संतुलन की आवश्यकता को गंभीरता से रेखांकित करता है। छात्रसंघ की बहाली का निर्णय विश्वविद्यालयों में छात्र प्रतिनिधित्व की जरूरतों पर नए सिरे से विचार करने को प्रेरित करता है, क्योंकि यह एक तथ्य है कि समय के साथ छात्र संघों की राजनीति भटक गई और इसीलिए कई शिक्षण संस्थानों में उस पर प्रतिबंध लगाने पड़े।

भारत में छात्रसंघ चुनावों के लिए कोई देशव्यापी प्रतिबंध लागू नहीं है। विभिन्न विश्वविद्यालयों के नियमों, परिस्थितियों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं में भिन्नताएं हैं। यही वजह है कि छात्र राजनीति से जुड़े विमर्श में भी व्यापक भिन्नताएं दिखाई देती हैं। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर गठित पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त जेएम लिंगदोह की अध्यक्षता वाली समिति ने 2006 में छात्रसंघ चुनावों के संचालन के लिए कुछ महत्वपूर्ण सिफारिशें प्रस्तुत की थीं। उनमें चुनावी खर्च पर नियंत्रण, उम्मीदवारों की पात्रता, बाहरी राजनीतिक हस्तक्षेप को सीमित करना तथा चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाना प्रमुख रूप से शामिल था।

सर्वोच्च न्यायालय ने इन सिफारिशों को स्वीकार करते हुए विश्वविद्यालयों को निर्धारित मानकों के अनुरूप छात्र प्रतिनिधित्व की व्यवस्था विकसित करने का निर्देश दिया था। इस कानूनी नियमन का उद्देश्य छात्र राजनीति को सीमित करना नहीं, बल्कि उसे अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और अनुशासित बनाना था, लेकिन दुर्भाग्य से इनका प्रभाव आंशिक ही रहा। इस कारण शिक्षण संस्थाओं में छात्रों की बहुआयामी भागीदारी न होने से छात्रों, शिक्षकों और प्रशासन के बीच संवाद कमजोर हुआ और वैचारिक विमर्श का स्तर भी कमतर हुआ।

इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि छात्रों की नेतृत्व क्षमता कमजोर हुई, जिससे इन संस्थाओं में छात्र आक्रामकता और अराजकता को बल मिला। उच्च शिक्षण संस्थानों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का आक्रामक स्वरूप वैचारिक संवाद से हटकर शक्ति प्रदर्शन तक सीमित होता जा रहा है। हालांकि एक समय छात्र राजनीति ने कुशल नेतृत्व तैयार किया है, लेकिन अनेक शैक्षणिक परिसरों में बाहरी राजनीतिक हस्तक्षेप, जातीय, धार्मिक और वैचारिक ध्रुवीकरण, धनबल, बाहुबल और हिंसा ने इसके मूल उद्देश्यों को कमजोर किया है।

छात्रसंघ चुनाव केवल छात्र प्रतिनिधि चुनने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह छात्रों को अपनी समस्याएं उठाने, नेतृत्व विकसित करने और लोकतांत्रिक व्यवहार को जानने-समझने का अवसर भी प्रदान करता है। छात्र संवाद तथा वैचारिक विमर्श की गुणवत्ता में भी उत्तरोत्तर वृद्धि होना समय की मांग है। छात्र संगठनों से अकादमिक वातावरण के निर्माण और संस्था में रचनात्मक भूमिका निभाने की अपेक्षा की जाती है। निश्चित ही विरोध का अधिकार महत्वपूर्ण है, परंतु विरोध की मर्यादा का संरक्षण भी उतना ही जरूरी है।

इसी संतुलन से संस्था में शैक्षिक वातावरण का निर्माण होता है। छात्र परिषद चुनावों पर दिल्ली विश्वविद्यालय के एक हालिया शोध में संकेत दिया गया है कि छात्र राजनीति छात्रों में राजनीतिक जागरूकता को तो बढ़ावा देती है, लेकिन राजनीतिक हिंसा इसके लोकतांत्रिक लाभ को सीमित करती है। यह निष्कर्ष बताता है कि शैक्षणिक संस्थानों में चुनाव कराना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि छात्रों को सार्थक भागीदारी का अवसर देना भी जरूरी है। इससे ही संस्थानों में वैचारिक विमर्श को बढ़ावा मिलेगा और बेहतर शैक्षणिक परिवेश बनेगा।

छात्र राजनीति की सफलता शैक्षणिक संस्थाओं में ऐसी पीढ़ी तैयार करने में है, जो अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी प्रतिबद्ध हो। देश को आज ऐसी पीढ़ी की आवश्यकता है, जो लोकतंत्र को केवल एक व्यवस्था के रूप में न देखे, बल्कि उसे जीवन मूल्य के रूप में भी स्वीकार करे। आज भविष्य के उन उत्तरदायी कर्णधारों को गढ़ने का समय है, जो अपनी ऊर्जा हंगामे में नहीं, बल्कि पारस्परिक संवाद, शोध, नीतिगत बहसों और रचनात्मक प्रतिरोध में लगाएं।

यदि शिक्षण संस्थाएं इस दिशा में उदाहरण प्रस्तुत करती हैं, तो यह माहौल न केवल शैक्षणिक परिसरों के माहौल को बेहतर बनाएगा, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था यानी संसद तक स्वस्थ, परिपक्व और दूरदर्शी नेतृत्व की नींव को भी सुदृढ़ करेगा। यह समय की मांग है कि छात्र राजनीति अपने आदर्शों की ओर लौटे। छात्र राजनीति पारंपरिक दलगत राजनीति का अखाड़ा नहीं बननी चाहिए।

'आज चुनाव हुए तो एक इनोवा में सिमट जाएगी भाजपा': पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का चौतरफा हमला

धान खरीदी की तैयारियों को लेकर राज्य सरकार से की 'श्वेत पत्र' जारी करने की मांग

नगरीय निकाय चुनाव की मतदाता सूची में गड़बड़ी और जनगणना-2027 में ओबीसी वर्ग की अनदेखी का लगाया आरोप

पटवारी हड़ताल के चलते किसानों के पंजीयन और राजस्व कार्य ठप होने पर सरकार को घेरा

जनता के गोठ

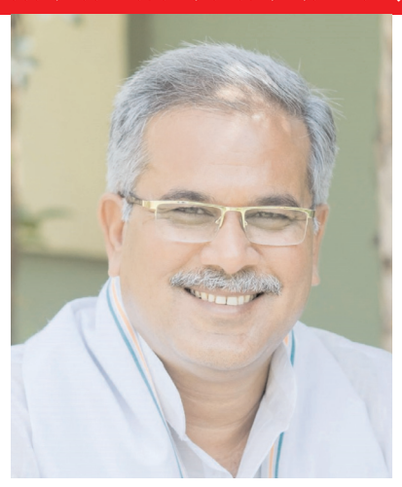
रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री एवं एआईसीसी महासचिव भूपेश बघेल ने शुक्रवार को रायपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में राज्य की भाजपा सरकार और केंद्र की नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में भाजपा शासन से किसान, युवा, महिलाएं, व्यापारी और कर्मचारी समेत हर वर्ग त्रस्त है। श्री बघेल ने तंज कसते हुए कहा कि यदि छत्तीसगढ़ में आज चुनाव करा लिए जाएं, तो भाजपा विधायकों की संख्या इतनी कम रह जाएगी कि वे महज एक इनोवा कार में ही सिमट जाएंगे।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के 15 नवंबर के दौरे पर उठाए सवाल

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के आगामी 15 नवंबर के छत्तीसगढ़ प्रवास पर निशाना साधते हुए श्री बघेल ने कहा कि उसी दिन बिहार का महापर्व छठ पूजा है। उन्होंने आरोप लगाया कि श्री नबीन पहले यह पर्व अपने निर्वाचन क्षेत्र में मनाते थे, लेकिन उपचुनावों में मिली हार के बाद से वे डरे हुए हैं और अब वहां जाने से भी घबरा रहे हैं।

मतदाता सूची में गड़बड़ी और 'जेन-जी' का डर

आगामी नगरीय निकाय चुनावों को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के साथ-साथ भारत निर्वाचन आयोग को भी 'जेन-जी' (युवा



मतदाताओं) का बुखार चढ़ गया है और सरकार युवाओं से डरी हुई है। उन्होंने आंकड़े रखते हुए आरोप लगाया कि:

- भिलाई नगर निगम क्षेत्र में 5 हजार से अधिक और पूरे छत्तीसगढ़ में लगभग 25 हजार नए युवा मतदाताओं के नाम सूची से बाहर रखे गए हैं।
- भिलाई में बिना परिसीमन के ही लगभग 25 हजार मतदाताओं के नाम दूसरे वार्डों में स्थानांतरित कर दिए गए हैं, जिससे वे मतदान से वंचित हो सकते हैं।
- कांग्रेस के विरोध के बाद चुनाव आयोग ने सुधार की तिथियां तो बढ़ाई, लेकिन गड़बड़ियों को अब तक दूर नहीं किया गया है। उन्होंने आयोग से तत्काल सुधार की मांग की।

धान खरीदी पर मांगा श्वेत पत्र, आदान सहायता को बताया 'झुनझुना'

धान खरीदी की व्यवस्थाओं को लेकर सरकार को घेरते हुए श्री बघेल ने कहा कि खरीदी 1 नवंबर से शुरू हो जानी चाहिए थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने पहले कांग्रेस की नीति की नकल करते हुए प्रति एकड़ आदान सहायता देने की बात कही और अब इसी के नाम पर किसानों को 'झुनझुना' पकड़ाकर पूरा धान खरीदने से बचना चाहती है।

उन्होंने सरकार से स्पष्ट जवाब मांगते हुए पूछा कि क्या सभी खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त बारदाने और भंडारण की जगह उपलब्ध है? क्या किसानों के भुगतान के लिए पर्याप्त राशि है? साथ ही, क्या राइस मिलर्स ने पिछले वर्ष का पूरा चावल जमा कर दिया है, क्योंकि इसके बिना धान उठाव के लिए डिलीवरी ऑर्डर (डीओ) जारी नहीं हो पाएगा। उन्होंने धान खरीदी की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए सरकार से 'श्वेत पत्र' जारी करने की मांग की।

जनगणना-2027 में ओबीसी वर्ग से छल का आरोप

जातिगत जनगणना के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरते हुए श्री बघेल ने कहा कि केंद्र सरकार इस विषय पर लगातार झूठ बोल रही है। उन्होंने दावा किया कि राजपत्र में जारी जनगणना-2027 के फॉर्म के कॉलम 10 में केवल एससी और एसटी का उल्लेख है, जबकि ओबीसी वर्ग का विकल्प ही गायब है। उन्होंने मांग की कि देश की सामाजिक और आर्थिक नीतियों के निर्धारण के लिए ओबीसी आबादी और उनकी स्थिति की स्पष्ट गणना सुनिश्चित की जाए।

पटवारी हड़ताल से राजस्व कार्य और किसान पंजीयन ठप

धान खरीदी के ऐन मौके पर चल रही पटवारियों की हड़ताल को लेकर श्री बघेल ने सरकार पर अड़ियल रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बातचीत से समाधान निकालने के बजाय सरकार पटवारियों को सर्विस ब्रेक, निलंबन और निष्कासन की धमकी दे रही है। हड़ताल के कारण फौत, बंटवारा और नामांतरण के हजारों राजस्व प्रकरण लंबित हैं। इसके अलावा गिरदावरी व अनावरी रिपोर्ट अपलोड न होने से किसानों का पंजीयन अटका हुआ है और तूफान व बेमौसम बारिश से हुए फसल नुकसान के मुआवजे का सर्वे भी पूरी तरह रुका पड़ा है।

भखारा में नवीन उप पंजीयक कार्यालय का विधायक श्री अजय चंद्राकर ने किया शुभारंभ

कार्यालय शुरू होने से भखारा तहसील के 73 गांवों को मिलेगी पंजीयन सेवाओं की सुविधा

प्रदेश का 121वां और धमतरी जिले का चौथा उप पंजीयक कार्यालय



रायपुर, 13 नवंबर 2026/ धमतरी जिले की भखारा तहसील को पंजीयन सेवाओं के विस्तार की नई सौगात मिली है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वित्त एवं पंजीयन मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में प्रदेश में पंजीयन सेवाओं को नागरिकों के लिए अधिक सुलभ बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कुरूद विधायक श्री अजय चंद्राकर ने आज भखारा में नवीन उप पंजीयक कार्यालय का शुभारंभ किया। विधायक श्री चंद्राकर ने कहा कि जिले में पंजीयन सेवाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है, जिससे नागरिकों को पंजीयन संबंधी कार्यों में सुविधा मिलेगी।

73 गांवों के नागरिकों को मिलेगा लाभ- यह प्रदेश का 121वां और धमतरी जिले का चौथा उप पंजीयक कार्यालय है। इसके शुरू होने से भखारा तहसील के 73 गांवों के नागरिकों को पंजीयन संबंधी सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी। अब उन्हें इन कार्यों के लिए दूरस्थ कार्यालयों तक जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

श्री कैलाश साहू ने कराया पहला पंजीयन- शुभारंभ अवसर पर रायपुर निवासी श्री कैलाश साहू ने पहला विक्रय विलेख पंजीयन कराया। इसके साथ ही नामांतरण की प्रक्रिया भी तत्काल पूरी की गई। पंजीयन के बाद विधायक श्री चंद्राकर ने उन्हें बी-1 और खसरा की प्रति प्रदान की। श्री साहू ने पंजीयन प्रक्रिया में मिली सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि भखारा में कार्यालय शुरू होने से लोगों को पंजीयन के लिए जिला मुख्यालय नहीं जाना पड़ेगा।

जिला पंजीयक श्री आशु अग्रवाल ने कहा कि नए उप पंजीयक कार्यालय से क्षेत्रवासियों को घर के नजदीक पंजीयन संबंधी सेवाएं मिलेंगी। इससे जिला मुख्यालय या दूरस्थ कार्यालयों तक बार-बार जाने की जरूरत कम होगी और नागरिकों के समय एवं श्रम की बचत होगी।इस अवसर पर भखारा-भठेली नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति हरख जैन, कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और नागरिक उपस्थित रहे।

बाल संरक्षण में छत्तीसगढ़ की अनूठी पहल: स्कूलों में बनेंगे 'बाल प्रहरी क्लब', बच्चे ही करेंगे सहपाठियों के अधिकारों की रक्षा

जनता के गोठ

रायपुर। प्रदेश में बाल अधिकारों की रक्षा और विद्यालयों में बच्चों को सुरक्षित व भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक अभिनव पहल की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और भारत स्काउट्स एवं गाइड्स (छत्तीसगढ़) के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय हाई स्कूलों (कक्षा 9वीं-10वीं) तथा हायर सेकेंडरी विद्यालयों (कक्षा 11वीं-12वीं) में 'बाल प्रहरी समिति (बाल प्रहरी क्लब)' का गठन किया जाएगा। शुक्रवार को आयोग कार्यालय में आयोजित समारोह में इसके प्रभावी संचालन के लिए दोनों संस्थाओं के बीच समझौता ज्ञापन (रूप) पर हस्ताक्षर किए गए।

बच्चों को बनाया जाएगा जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता- आयोग की



अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा और भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा की विशेष उपस्थिति में इस पहल को औपचारिक रूप दिया गया। आयोग के विधिक संरक्षण तंत्र और स्काउट्स एवं गाइड्स की अनुशासित कार्यप्रणाली को मिलाकर तैयार किए गए इस मॉडल का उद्देश्य बच्चों को केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना नहीं, बल्कि उन्हें अपने सहपाठियों के अधिकारों का सजग प्रहरी बनाना है। इससे किसी भी बच्चे के साथ होने वाले अन्याय या शोषण की जानकारी समय रहते संबंधित संस्थाओं तक पहुंच सकेगी।

बाल प्रहरी क्लब की 5 प्रमुख कार्ययोजनाएं - प्रारंभिक चेतावनी तंत्रः बाल विवाह, बाल श्रम, नशावृत्ति, भिक्षावृत्ति और मानव तस्करी जैसी सामाजिक कुरीतियों की समय रहते पहचान कर संबंधित संस्थाओं तक सूचना पहुंचाना। - शून्य ड्रॉपआउट का लक्ष्यः लगातार अनुपस्थित रहने वाले या संकटग्रस्त बच्चों की पहचान कर सहयोग व परामर्श के माध्यम से उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़े रखना। - 10 विषयों पर विशेष फोकसः प्रत्येक क्लब 5 स्थायी विषयों (बाल विवाह रोकथाम, बाल श्रम उन्मूलन, नशामुक्त परिसर, पॉक्सो अधिनियम जागरूकता, साइबर सुरक्षा एवं मानव तस्करी रोकथाम) और 5 क्षेत्रीय विषयों (आवासीय विद्यालयों की सुरक्षा, पलायन निगरानी, स्ट्रीट चिल्ड्रन पुनर्वास, किशोर स्वास्थ्य व अंधविश्वास उन्मूलन) पर कार्य करेगा। - संस्थागत व सामुदायिक समन्वयः त्वरित सहायता के लिए क्लबों को ग्राम पंचायत बाल संरक्षण समिति, जिला बाल संरक्षण इकाई (DCPU), बाल कल्याण समिति (CWC), चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और आपातकालीन सेवा 112 से जोड़ा जाएगा।

बिरगांव के छठ व्यास तालाब में छठ महापर्व की तैयारियां अंतिम चरण में, जुटेंगे हजारों श्रद्धालु

संध्या और उषाकालीन अर्घ्य के लिए घाट पर विशेष व्यवस्थाएं लगभग पूरी

लोक कलाकारों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहेंगी मुख्य आकर्षण का केंद्र



जनता के गोठ

रायपुर। लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा को लेकर भोजपुरी समाज एवं छठ पूजा समिति, छठ व्यास तालाब बिरगांव द्वारा तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं, जो अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। इस पावन अवसर पर इस वर्ष भी व्यास तालाब परिसर में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं और छठ व्रतियों के जुटने की संभावना है।

व्रतियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध- समिति के कोमल रंजय सिंह एवं अन्य सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया कि छठ व्रतियों, सूर्य उपासकों और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संध्या अर्घ्य तथा उषाकालीन अर्घ्य के लिए तालाब परिसर में आवश्यक व्यवस्थाएं लगभग पूरी कर ली गई हैं। व्रतियों की धार्मिक परंपराओं और सुगम पूजा-अर्चना को ध्यान में रखते हुए घाट पर विशेष प्रबंध किए गए हैं।

भोजपुरी लोक संस्कृति की बिखरेगी छटा- धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ इस अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें आमंत्रित लोक कलाकार अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से भोजपुरी लोक संस्कृति और छठ महापर्व की पारंपरिक छटा बिखेरेंगे।

समिति के सदस्यों ने कहा कि छठ महापर्व केवल सूर्य उपासना का पर्व नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, स्वच्छता, पवित्रता, सामाजिक समरसता, पारिवारिक सुख-समृद्धि और आपसी भाईचारे का संदेश देता है। समिति ने सभी श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों से इस पावन आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर छठी मैया का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

चार दिवसीय महापर्व का कार्यक्रम (स्थानः छठ व्यास तालाब, बिरगांव)

तिथि एवं दिन प्रमुख अनुष्ठान

13 नवंबर 2026 (शुक्रवार) नहाय-खाय

14 नवंबर 2026 (शनिवार) खरना

15 नवंबर 2026 (रविवार) संध्या अर्घ्य

16 नवंबर 2026 (सोमवार) उषा अर्घ्य एवं महापर्व का समापन

तैयारियों में जुटे समिति के सदस्य- आयोजन को सफल बनाने में समिति के सदस्य हरिशंकर मिश्रा, हीरालाल शर्मा, सत्येंद्र सिंह, सतीश सिंह, अजय सिंह, रवींद्र सिंह, पप्पू मिश्रा, सुनील शुक्ला, विनय जायसवाल, वीरेंद्र यादव, शैलेंद्र पांडेय, अमित श्रीवास्तव और शशि सिंह सहित समाज के अन्य सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

सुरभि गौधाम में 17 नवंबर को मनेगा भव्य गोपाष्टमी महोत्सव, गौ पूजन से लेकर विशाल भंडारे तक होंगे विविध आयोजन



बलरामपुर (जनता के गोठ) : गौ माता की सेवा, संरक्षण और संवर्धन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रक्षा गौधाम फाउंडेशन के तत्वावधान में 17 नवंबर 2026 को सुरभि गौधाम, बासेन में भव्य गोपाष्टमी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रम, अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान समारोह, नवनिर्मित शेड का उद्घाटन, विधि-विधान से गौ पूजन, गौ सेवा, गौ आरती तथा विशाल भंडारे का आयोजन आकर्षण का केंद्र रहेगा।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार महोत्सव की शुरुआत दोपहर 12 बजे रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ होगी। दोपहर 3 बजे अतिथियों का आगमन होगा। इसके बाद 3:20 बजे सुरभि गौधाम परिसर में नवनिर्मित शेड का उद्घाटन किया जाएगा। शाम 3:30 बजे अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित होगा। वहीं शाम 5 बजे विधि-विधान से गौ पूजन, गौ सेवा एवं गौ आरती की जाएगी। शाम 6 बजे विशाल भंडारे और प्रसाद वितरण के साथ श्रद्धालुओं को प्रसाद ग्रहण कराया जाएगा।

रक्षा गौधाम फाउंडेशन का यह आयोजन केवल धार्मिक उत्सव तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से समाज में गौ माता के प्रति श्रद्धा, संवेदनशीलता और सेवा भाव को मजबूत करने के साथ गौ संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। फाउंडेशन का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को गौ सेवा के पुनीत कार्य से जोड़ना है। रक्षा गौधाम फाउंडेशन ने क्षेत्र के समस्त जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, गौ भक्तों, धर्मप्रेमियों एवं क्षेत्रवासियों से महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने तथा गौ सेवा और संरक्षण के इस अभियान में सहभागी बनने की अपील की है।

आदिवासी अस्मिता और साँस्कृतिक के रक्षक, महान क्राँतिकारी भगवान बिरसा मुँडा

धनंजय राठौर
संयुक्त संचालक, जनसंपर्क
रायपुर

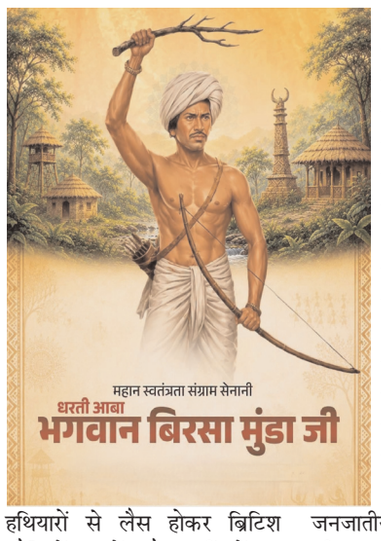
महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, जनजातीय गौरव के प्रतीक एवं धरती आबा जल, जंगल, जमीन एवं जनजातीय अस्मिता के सजग प्रहरी भगवान बिरसा मुंडा जी ने अन्याय और विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल फूंककर आदिवासी समाज में स्वाभिमान और अधिकारों की चेतना जागृत की। अल्पायु में ही मातृभूमि, समाज और संस्कृति की रक्षा के लिए दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगा। उनका साहस, नेतृत्व और जनसेवा का भाव आज भी हमें सामाजिक न्याय, स्वाभिमान और राष्ट्रहित के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देता है।

स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर को मनाया जाता है। भारतीय इतिहास में धरती आबा (धरती पिता) के नाम से पूजे जाने वाले बिरसा मुंडा मात्र एक क्रांतिकारी नहीं थे, बल्कि वे आदिवासी चेतना, स्वाभिमान और जल-जंगल-जमीन की रक्षा के सबसे बड़े प्रतीक थे। 19 वीं सदी के अंत में जब ब्रिटिश हुकूमत और जमींदार मिलकर आदिवासियों का शोषण कर रहे थे, तब बिरसा मुंडा ने एक ऐसी अलख जगाई जिसने अंग्रेजी साम्राज्य की नींव हिलाकर रख दी।

प्रारंभिक जीवन और चेतना का उदय- बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को वर्तमान झारखंड के खूंटी जिले के उलीहातु गांव में हुआ था। भारत सरकार द्वारा उनके जन्मदिन 15 नवंबर को हर साल जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका बचपन चाईबासा के जंगलों और खेतों में बीता। पढ़ाई के लिए उन्होंने कुछ समय ईसाई मिशनरी स्कूल में दाखिला लिया, जहां उनका नाम बिरसा डेविड रखा गया। स्कूल के दिनों में ही उन्होंने महसूस किया कि मिशनरी और ब्रिटिश व्यवस्था आदिवासियों की संस्कृति, भाषा और उनके पारंपरिक अधिकारों को नष्ट कर रही है। इसके बाद उन्होंने मिशनरी स्कूल छोड़ दिया और अपनी संस्कृति की रक्षा का संकल्प लिया।

बिरसा संप्रदाय और सामाजिक सुधार- क्रांति से पहले बिरसा मुंडा ने समाज को अंदर से मजबूत करने का काम किया। उन्होंने देखा कि अंधविश्वास और नशे के कारण आदिवासी समाज कमजोर हो रहा है। उन्होंने आदिवासियों को केवल एक ईश्वर (सिंगबोंगा) की पूजा करने की सलाह दी। सामाजिक बुराइयों का अंत करने शराबबंदी, पशु बलि के विरोध और स्वच्छता पर जोर दिया। उनके इन विचारों से प्रभावित होकर हजारों लोग उनके अनुयायी बन गए और लोग उन्हें प्यार से धरती आबा कहने लगे।

उलगुलान (महान विद्रोह) की शुरुआत- उलगुलान मुंडारी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है महान उथल-पुथल या विद्रोह। यह आंदोलन ब्रिटिश सरकार की दिकु (बाहरी शोषक, जमींदार और सूदखोर) नीति के खिलाफ था, जो आदिवासियों की ज़मीनें छीन रहे थे। बिरसा मुंडा ने सिंहभूम और रांची के जंगलों में आदिवासियों को एकजुट किया और नारा दिया- अबुआ राज एते जाना, महारानी राज टुंडू जाना (अर्थात अब हमारा राज शुरू हो गया है और महारानी का राज खत्म हो गया है)। मुंडा तीर- कमान और पारंपरिक



हथियारों से लैस होकर ब्रिटिश चौकियों, थानों और जमींदारों पर गुरिल्ला युद्ध के माध्यम से हमला करते थे। डोम्बारी पहाड़ी का युद्ध इस आंदोलन का एक ऐतिहासिक केंद्र बना।

1 अक्टूबर 1894 को बिरसा ने एक प्रखर युवा नेता के रूप में जन अधिकारों की रक्षा के लिए हुंकार भरी। उन्होंने अवैध जमीन्दारी के विरोध में लगान माफी आन्दोलन का सूत्रपात किया। अंग्रेजी सरकार ने इसे अपने शासन के विरुद्ध खुली चुनौती माना और 1895 में उन्हें बन्दी बना लिया। उन्हें हजारीबाग केन्द्रीय कारागार में 2 वर्ष के कारावास की दण्ड दिया गया। रिहाई के बाद उन्होंने शान्त बैठने के स्थान पर छोटानागपुर क्षेत्र में अकाल और महामारी से पीड़ित जनमानस की सेवा की। उनकी इस सेवा भावना ने उन्हें जन-जन का प्रिय बना दिया और लोग उन्हें 'धरती आबा' कहकर पुकारने लगे। उनका संघर्ष अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि जनजातीय स्वाभिमान और संस्कृति की रक्षा का महासंग्राम बन गया था। उन्होंने अबुआ दिशुम, अबुआ राज अर्थात हमारा देश, हमारा राज का अमर उद्घोष किया। इस नारे ने सोए हुए समाज में नई चेतना का संचार किया।

महानायक का बलिदान- 1897 से 1900 के मध्य उन्होंने ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष आरम्भ किया। इसके लिए उन्होंने गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाई। उनके बढ़ते प्रभाव से अंग्रेज अधिकारी और शोषक वर्ग भयभीत हो उठा। 24 दिसम्बर 1899 को यह आन्दोलन अत्यन्त उग्र हो गया। पुलिस थानों पर तीरों से प्रहार किए गए। इस संघर्ष के दौरान अंग्रेजी सेना ने डोम्बारी बुरु पहाड़ी पर निहत्थे जनजातीयों पर बर्बरतापूर्वक गोलीबारी की। जनजातीयों ने अदम्य साहस का परिचय दिया,किन्तु उनके तीर और कमान अंग्रेजों के आधुनिक हथियारों और गोलियों के सम्मुख अधिक समय तक टिक नहीं सके। ब्रिटिश सेना आधुनिक हथियारों से लैस थी, फिर भी बिरसा मुंडा की रणनीतियों के सामने उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा था। आखिरकार, अंग्रेजों ने चाल चली और बिरसा मुंडा पर इनाम रख दिया। मार्च 1900 में चक्रधरपुर के जामकोपाई जंगल से सोते समय उन्हें धोखे से गिरफ्तार कर लिया गया। मात्र 24 वर्ष की आयु में 9 जून 1900 को रांची जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में (अंग्रेजों के अनुसार हैजे के कारण) उन्होंने अंतिम सांस ली। लेकिन इतिहासकारों और उनके अनुयायियों का मानना है कि उन्हें अंग्रेजों द्वारा जेल में धीमा जहर दिया गया था। उनकी शहादत के बाद अंग्रेजों को आदिवासियों की जमीन की रक्षा के लिए छोटा नागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 (Chota Nagpur Tenancy Act, 1908 - CNT Act) कानून बनाना पड़ा, जिसने बाहरी लोगों को आदिवासी जमीन खरीदने से रोका। वास्तव में, ब्रिटिश भू-राजस्व नीति, मिशनरियों द्वारा धर्म परिवर्तन का दबाव, 'खुटकट्टी प्रणाली' का विनाश और 'दिकू' अर्थात बाहरी शोषकों का अनैतिक हस्तक्षेप ही इस विद्रोह के मूल में था। मुंडा जनजातियों का एक और नारा अत्यन्त प्रसिद्ध हुआः अबुआ राज एतेर जना, महारानी राज तुदु जना जिसका अर्थ था कि अब हमारा राज स्थापित हो और ब्रिटिश महारानी का राज समाप्त हो। 9 जून 1900 को मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में राँची जेल में बिरसा मुंडा का निधन हो गया। यद्यपि ब्रिटिश सरकार ने मृत्यु का कारण हैजा बताया, किन्तु जनमानस और कई इतिहासकारों ने इसे सन्दिग्ध माना है। कुछ विवरणों में उन्हें विष दिए जाने की आशंका भी व्यक्त की गई है। धरती आबा बिरसा मुंडा का जीवन हमें सिखाता है कि जब बात अपनी संस्कृति, अस्मिता और अधिकारों की हो, तो संसाधनों की कमी कभी भी आपके हौसलों को डिगा नहीं सकती। भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय समाज की अस्मिता के संरक्षण एवं जनमानस के अदम्य संघर्ष और स्वाभिमान के प्रतीक हैं। जल, जंगल और ज़मीनकी रक्षा के लिये अंग्रेज़ी हुकूमत के विरुद्ध उनके जनआंदोलन ने जनजातीय गौरव की अमिट ज्योति प्रज्वलित की। उनके साहस, समाज व संस्कृति के लिए अनन्य समर्पण के प्रतिमान आने वाली पीढ़ी के लिए त्याग और वीरता की अद्वितीय शौर्यगाथा हैं। आजादी के 75 वें वर्ष के अवसर पर 2021 में केंद्र सरकार ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों की सेवाओं को मनाने के लिए 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित की। भारत ही नहीं बल्कि जनजाति समुदाय बिरसा मुंडा की जयंती बड़ी धूमधाम व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं।

और उनके इस योगदान को भारतीय समाज प्रेरणा दायक मानता हैं। ऐसे ही महानायक हुये बिरसा मुँडा। उनके जीवन में कुछ ऐसी विलक्षण घटनाएँ घटीं जिससे लोग उन्हे असाधारण कहते हैं और भगवान का दर्जा देते हैं, उनकी पूजा करते हैं।

खबर-खास

22 साल से भर्ती का इंतजार: शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय में 29 पद खाली, डॉ. महंत ने सीएम को लिखा पत्र



जनता के गोठ रायपुर, 13 नवंबर 2026। छत्तीसगढ़ के एकमात्र शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय (गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज), रायपुर में पिछले 22 वर्षों से शिक्षकों की नियमित भर्ती नहीं होने का मुद्दा गरमा गया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक और व्याख्याता के 29 रिक्त पदों पर तत्काल नियमित भर्ती करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को अर्द्धशासकीय पत्र लिखा है।

स्थापना के बाद से नहीं हुई नई नियमित भर्ती – डॉ. महंत ने अपने पत्र में भर्ती के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2003 में महाविद्यालय की स्थापना के समय 44 स्वीकृत पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 2004 में हुई इस भर्ती में केवल 26 अभ्यर्थियों का ही चयन हो पाया था, जबकि आरक्षित और अनारक्षित वर्ग के कुल 18 पद खाली रह गए थे। इसके बाद से अब तक इन रिक्त पदों को भरने के लिए कोई नियमित भर्ती प्रक्रिया नहीं अपनाई गई है।

घटकर 15 रह गई शिक्षकों की संख्या– नेता प्रतिपक्ष के अनुसार, वर्ष 2004 में नियुक्त हुए 26 सहायक प्राध्यापकों और व्याख्याताओं में से वर्तमान में केवल 15 ही महाविद्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पूर्व के 18 रिक्त पदों और बाद में खाली हुए 11 पदों को मिलाकर अब स्वीकृत 44 पदों के मुकाबले कुल रिक्त पदों की संख्या बढ़कर 29 तक पहुंच गई है।

मरीजों के इलाज और शोध कार्य पर विपरीत असर– डॉ. महंत ने इस स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के एकमात्र सरकारी डेंटल कॉलेज में शिक्षकों की इतनी भारी कमी से न केवल छात्रों की शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध कार्य (रिसर्च) प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि ओ.पी.डी. में आने वाले गरीब और मध्यम वर्गीय मरीजों को मिलने वाले उच्च स्तरीय दंत उपचार पर भी अत्यंत विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि छात्रों और मरीजों के हित को देखते हुए छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (CGPSC) या चिकित्सा शिक्षा विभाग के माध्यम से इन सभी 29 रिक्त पदों पर अविलंब नियमित भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश जारी किए जाएं।

एक नजर में: महाविद्यालय में पदों का गणित – कुल स्वीकृत पद (वर्ष 2003): 44 – वर्ष 2004 में हुई नियुक्तियां: 26 – शुरुआत से रिक्त रहे पद: 18 (SC/STÑ 11, OBCÑ 3, सामान्य: 4) – वर्तमान में कार्यरत शिक्षक: 15 – वर्तमान में कुल रिक्त पद: 29

आदिवासी महिलाओं की अस्मिता, स्वाभिमान और सशक्तिकरण का नया अध्याय



रायपुर। भारत की स्वतंत्रता, संस्कृति और विरासत के संरक्षण में जनजातीय समाज का योगदान अविस्मरणीय है। अन्याय और शोषण के विरुद्ध 'उलगुलान' का शंखनाद करने वाले धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर मनाया जा रहा जनजातीय गौरव दिवस हमें अपने महान नायकों के साहस, स्वाभिमान और बलिदान का स्मरण कराता है। शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुण्डाधूर, शहीद गेंद सिंह, रानी दुर्गावती और ठाकुर रामप्रसाद पोटाई जैसे जननायकों का संघर्ष हमारी साझा विरासत है। इस पावन अवसर पर मैं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में जनजातीय समाज के गौरव और योगदान को राष्ट्रीय पहचान मिली है। वर्ष 2021 में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किए जाने के बाद से जनजातीय अंचलों के विकास को नई गति मिली है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के संवेदनशील नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का संकल्प दूरस्थ वनांचलों तक पहुंच रहा है। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।

मातृशक्ति के स्वावलंबन से सशक्त होता जनजातीय समाज– जनजातीय समाज की मजबूती में माताओं और बहनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से हम उनके सम्मान, सुरक्षा, पोषण और आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दे रहे हैं। महतारी वंदन योजना से प्रदेश की 20 लाख 28 हजार 803 आदिवासी महिलाएं सीधे लाभान्वित हो रही हैं। यह आर्थिक सहायता उन्हें परिवार के पोषण, बच्चों की शिक्षा और रोजमर्रा की जरूरतों में अपने स्तर पर निर्णय लेने का संबल देती है। जनजातीय महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और आत्मविश्वास को मजबूत करने में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। गरीब और वंचित परिवारों की बेटियों के विवाह का आर्थिक भार कम करने के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत वित्त वर्ष 2026-27 में अब तक 2 हजार 72 विवाह संपन्न कराए गए हैं। इनमें लगभग 580 हितग्राही अनुसूचित जनजाति वर्ग की बेटियां हैं। यह पहल परिवारों को सहयोग देने के साथ बेटियों के सम्मान और सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। माताओं और बच्चों के पोषण तथा प्रारंभिक देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

सेक्टर-09 पानी टंकी के पास चिट्टा (अफीम) के साथ आरोपी गिरफ्तार, 08.06 ग्राम मादक पदार्थ, कीमत 4,8000/- जप्त

भिलाई नगर, जिला दुर्ग
थाना भिलाई नगर पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सेक्टर-09 पानी टंकी के पास घेराबंदी कर एक आरोपी को पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 08.06 ग्राम चिट्टा (अफीम), अनुमानित कीमत ? 48000/ रकम कर ह्यष्ठक्र एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई।

संक्षिप्त विवरण
थाना भिलाई नगर पुलिस द्वारा क्षेत्र में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री एवं तस्करी पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से लगातार निगरानी एवं कार्रवाई की जा रही है।
इसी क्रम में दिनांक 13.11.2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि सेक्टर-09 पानी टंकी के पास एक व्यक्ति मादक पदार्थ लेकर मौजूद है। सूचना पर थाना भिलाई नगर पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई तथा संदेही को पकड़ा गया।
तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 08.06 ग्राम चिट्टा (अफीम), अनुमानित कीमत ?4,600/- बरामद किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना भिलाई नगर में अपराध क्रमांक 649/2025, धारा 22(ख) ह्यष्ठक्र एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर दिनांक 13.11.2026 को विधिवत गिरफ्तार किया गया तथा न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।



मॉडस ऑपरेंडी (अपराध करने का तरीका)– आरोपी द्वारा मादक पदार्थ अपने कब्जे में रखकर अवैध गतिविधि में संलिप्तता पाई गई। मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा तथा तलाशी में मादक पदार्थ बरामद किया।
घटना स्थल– सेक्टर-09 पानी टंकी के पास, थाना भिलाई नगर क्षेत्र, जिला दुर्ग। आरोपी का नाम
1\. कमलेश साव उर्फ गणपत, उम्र 21 वर्ष, निवासी रूआबांधा, भिलाई नगर, जिला दुर्ग।
जप्त सामग्री
1\. 08.06 ग्राम चिट्टा (अफीम), अनुमानित कीमत 48000/ रकम
सराहनीय कार्य
उक्त कार्रवाई में थाना भिलाई नगर पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।
दुर्ग पुलिस की अपील
दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि मादक पदार्थों की अवैध बिक्री, भंडारण एवं तस्करी से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस द्वारा नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। नशामुक्त एवं सुरक्षित समाज के निर्माण में पुलिस का सहयोग करें। दुर्ग पुलिस – आपकी सुरक्षा, हमारी प्राथमिकता।

'207 सरकारी स्कूलों और नवा रायपुर के परिसर को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी गरीबों से शिक्षा छीनने का षड्यंत्र': कांग्रेस



जनता के गोठ रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य की भाजपा सरकार पर सरकारी स्कूलों के निजीकरण के जरिए आम परिवारों के बच्चों से गुणवत्तापूर्ण और मुफ्त शिक्षा का अधिकार छीनने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को जारी एक बयान में प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने दावा किया कि रायपुर संभाग के 207 सरकारी स्कूलों और नवा रायपुर सेक्टर-32 स्थित 20 एकड़ में बने अत्याधुनिक विद्यालय परिसर को पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के नाम पर 30 साल के लिए निजी हाथों में सौंपने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने इसे जनविरोधी निर्णय बताते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी इस प्रस्ताव का सड़क से लेकर सदन तक पुरजोर विरोध करेगी।

शिक्षा को व्यापार बनाने और महंगी फीस का जताया अंदेशा– प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार पीपीपी मॉडल की आड़ में शिक्षा को व्यापार बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर सेक्टर-32 में जनता के करोड़ों रुपये के टैक्स से निर्मित 20 एकड़ के आधुनिक स्कूल परिसर को निजी हाथों में सौंपना चुनिंदा पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने जैसा है। श्री शुक्ला ने चिंता जताई कि सरकारी स्कूलों के निजीकरण से शिक्षा महंगी हो जाएगी, जिससे प्रदेश के गरीब, मजदूर, किसान और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चे फीस नहीं भर पाएंगे और पढ़ाई छोड़ने को मजबूर होंगे।

रमन कार्यकाल के डीएवी मॉडल और स्वामी आत्मानंद योजना का दिया हवाला– पूर्ववर्ती सरकारों की नीतियों की तुलना करते हुए कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में भी जिला स्तर के उत्कृष्ट और मॉडल स्कूलों को डीएवी जैसे निजी समूहों को सौंपा गया था, और अब विष्णुदेव साय सरकार उसी मॉडल को बड़े पैमाने पर लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 'स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय योजना' शुरू की थी।

'केवाईसी और सर्वर के बहाने सवा दो लाख परिवारों को राशन से किया वंचित': पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज का आरोप



जनता के गोठ रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने राज्य की सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में भारी अनियमितता और गरीबों के खाद्यान्न अधिकारों में कटौती करने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को जारी एक बयान में श्री बैज ने दावा किया कि राज्य सरकार बार-बार केवाईसी, परिवार के प्रत्येक सदस्य के सत्यापन और सर्वर की खराबी की आड़ लेकर प्रदेश के सवा दो लाख से अधिक गरीब परिवारों को उनके हक के राशन से वंचित कर रही है।

रायपुर से लेकर आदिवासी अंचलों तक राशन संकट का दावा– प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में डिजिटल व्यवस्था के नाम पर पात्र हितग्राहियों को राशन दुकानों से खाली हाथ लौटाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि राजधानी रायपुर के कई वार्डों में पिछले तीन महीनों से राशन का वितरण नहीं हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीण और पांचवीं अनुसूची के आदिवासी क्षेत्रों की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि इन अंचलों में गरीबों को मिलने वाली शक्कर पूरी तरह गायब हो गई है और आदिवासियों के लिए निर्धारित गुड़-चना भी वितरित नहीं हो रहा है।

तकनीकी विफलता नहीं, प्रशासनिक लापरवाही का आरोप– बायोमेट्रिक और सर्वर फेलियर की समस्या पर सवाल उठाते हुए श्री बैज ने कहा कि यह केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि एक सोची-समझी प्रशासनिक लापरवाही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार डिजिटल इंडिया और पारदर्शिता के दावों के बीच चुपचाप गरीबों के खाद्यान्न बजट में कटौती कर रही है। उन्होंने प्रश्न किया कि जब राशन कार्ड पहले से ऑनलाइन हैं, तो फिर केवाईसी और सर्वर का हवाला देकर लाखों परिवारों को राशन से वंचित क्यों रखा जा रहा है। श्री बैज ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय 'यूनिवर्सल पीडीएस' के तहत प्रत्येक पात्र परिवार को नियमित और निर्बाध रूप से राशन उपलब्ध कराया जाता था।

'गोठान बंद कर भाजपा ने सड़कों को बनाया मवेशियों का अड्डा, जनता की जान से खिलवाड़ कर रही साय सरकार': वंदना राजपूत

आवारा पशुओं से हो रही दुर्घटनाओं और सांड के हमलों को लेकर कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता ने सरकार को घेरा



जनता के गोठ रायपुर। प्रदेश में आवारा पशुओं की बढ़ती समस्या और लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। शुक्रवार को जारी एक बयान में उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पशुपालन और गौवंश संरक्षण को मजबूत करने के लिए बनाए गए 10 हजार से अधिक गोठानों को वर्तमान सरकार ने राजनीतिक दुर्भावना के चलते बंद कर दिया, जिसका खामियाजा आज आम जनता अपनी जान जोखिम में डालकर भुगत रही है।

सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा, सांड के हमलों से दहशत– श्रीमती राजपूत ने कहा कि शहरों के चौक-चौराहों से लेकर गांवों की सड़कों तक आवारा मवेशियों का ठिकाना बन गया है, जिससे आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि आवारा सांडों के हमलों में बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे तक घायल हो रहे हैं। हाल ही में सांड के हमले में एक बुजुर्ग के गंभीर रूप से घायल होने और एक नवजात बच्चे को चोटें आने की घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने सवाल किया कि आम नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है और क्या सरकार किसी बड़ी जनहानि के बाद ही जागेगी।

उच्च न्यायालय के संज्ञान के बावजूद जमीन पर नतीजा शून्य– राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर निशाना साधते हुए कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा इस गंभीर समस्या पर संज्ञान लिए जाने के बावजूद सरकार के पास कोई ठोस कार्ययोजना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा कभी गौ-अभ्यारण्य तो कभी गौधाम बनाने का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन तीन साल के कार्यकाल में भी एक प्रभावी और स्थायी व्यवस्था विकसित नहीं की जा सकी है। सारी घोषणाएं केवल कागजों तक सीमित हैं और जनता सड़कों पर अपनी सुरक्षा के लिए खुद संघर्ष कर रही है।

गृहमंत्री विजय शर्मा से पशु तस्करी कानून पर मांगा जवाब– श्रीमती राजपूत ने उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार अवैध पशु तस्करी रोकने के लिए कानून बनाने को अपनी बड़ी उपलब्धि बताती है। उन्होंने प्रश्न किया कि कानून बनने के बाद भी यदि पशु तस्करी की शिकायतें सामने आ रही हैं और सड़कों पर आवारा मवेशियों की समस्या लगातार बढ़ रही है, तो सरकार किस आधार पर अपनी उपलब्धियों का ढिंढोरा पीट रही है। उन्होंने कहा कि केवल कानून बनाने से जिम्मेदारी पूरी नहीं होती, उसका प्रभावी क्रियान्वयन भी जरूरी है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पशुधन प्रबंधन को नुकसान का आरोप– पूर्ववर्ती सरकार की योजनाओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि गोठान योजना और गोधन न्याय योजना पशुपालकों, ग्रामीण महिलाओं, स्व-सहायता समूहों और किसानों की आर्थिक मजबूती का माध्यम थीं। गोबर खरीदी से ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आमदनी मिलती थी और पशुधन के बेहतर प्रबंधन की व्यवस्था भी बनती थी। भाजपा सरकार ने इन व्यवस्थाओं को बंद करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पशुधन प्रबंधन दोनों को कमजोर कर दिया है।

राजनांदगांव जिले को बड़ी सौगात: 5 ग्राम पंचायतों में बनेंगे 'महतारी सदन', 1.50 करोड़ रुपये की मिली स्वीकृति

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अनुशंसा पर वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत जारी हुई राशि

प्रत्येक महतारी सदन के लिए 30 लाख रुपये निर्धारित; महिलाओं की सामुदायिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

डॉ. सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा का जताया आभार

जनता के गोठ
राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष एवं राजनांदगांव विधायक डॉ. रमन सिंह के प्रयासों से जिले की पांच ग्राम पंचायतों में 'महतारी सदन' निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत इन भवनों के निर्माण के लिए कुल 1 करोड़ 50 लाख रुपये की अनुशंसा की गई है। इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए डॉ. रमन सिंह ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है।

इन 5 स्थानों पर होगा महतारी सदन का निर्माण

पंचायत संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी आदेश के अनुसार राजनांदगांव जिले के पांच स्थानों का चयन किया गया है। प्रत्येक महतारी सदन के निर्माण के लिए 30 लाख रुपये की राशि निर्धारित की गई है:

क्र.	क्षेत्र / विकासखंड / ग्राम पंचायत / ग्राम	स्वीकृत राशि
1	राजनांदगांव ग्राम पंचायत पनेका	30 लाख रुपये
2	राजनांदगांव ग्राम पंचायत अंजोरा	30 लाख रुपये
3	राजनांदगांव ग्राम पंचायत भर्रेगांव	30 लाख रुपये
4	राजनांदगांव ग्राम पंचायत खैरा (र)	30 लाख रुपये
5	छुरिया ग्राम बापूटोला (ग्राम पंचायत लालूटोला)	30 लाख रुपये



ग्रामीण महिलाओं को मिलेगा सुविधाजनक सामुदायिक भवन

इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि महतारी सदन ग्रामीण महिलाओं के लिए एक अत्यंत उपयोगी सामुदायिक सुविधा के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इन भवनों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को विभिन्न सामाजिक और सामुदायिक गतिविधियों के संचालन के लिए एक व्यवस्थित व सुविधाजनक स्थान मिल सकेगा। उन्होंने इस कार्य को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक राशि की अनुशंसा करने के लिए मुख्यमंत्री और पंचायत मंत्री को पुनः धन्यवाद दिया।

रिसाली नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा नें कसी कमर , चुनावी हलचल हुई तेज

अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ।







दुर्ग/ रिसाली - रिसाली नगर निगम चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी कमर कसने के साथ ही चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में कल रिसाली नगर निगम क्षेत्र के आशीर्वाद भवन में छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री अरुण साव की मुख्य उपस्थिति में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की वृहद बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी नगरीय निकाय चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा करते हुए महापौर सहित सभी 40 वार्डों में भाजपा प्रत्याशियों को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक में मंचासीन अतिथियों के रूप में लोकसभा सांसद विजय बघेल, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, विधायक ललित चंद्राकर, भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष राकेश पांडेय, रिसाली नगर निगम चुनाव सह प्रभारी श्वेता शर्मा एवं आशु चंद्रवंशी, पूर्व कैबिनेट मंत्री रमशीला साहू, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, जिला महामंत्री दिलीप साहू, जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी शिवेंद्र परिहार, झुग्गीझोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक एवं मंडल प्रभारी दिनेश देवांगन, मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू एवं राजू जंघेल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि आगामी नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरे उत्साह, समर्पण और संकल्प के साथ मैदान में उतरना होगा। उन्होंने कहा कि हम सभी को इस बार रिसाली नगर निगम में 41 कमल खिलाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना है। भाजपा सरकार ने 'हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे' के संकल्प को साकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने की दिशा में तेजी से काम किया है। आज छत्तीसगढ़ में चारों ओर विकास की गंगा बह रही है। विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन निरंतर हो रहा है और शासन द्वारा इन कार्यों की नियमित समीक्षा भी की जा रही है। साव ने आगे कहा कि रिसाली नगर निगम में वर्तमान में कांग्रेस का महापौर होने के बावजूद क्षेत्र की जनता को अपेक्षित विकास नहीं मिल पाया। विकास के नाम पर केवल कागजी दावे किए गए, जबकि धरातल पर जनता को उसका लाभ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकास, पारदर्शिता और सुशासन के लिए प्रतिबद्ध है। मैं सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूं कि रिसाली नगर निगम क्षेत्र का कोई भी घर ऐसा नहीं छूटना चाहिए, जहां भाजपा का कार्यकर्ता नहीं पहुंचे। केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित प्रत्येक परिवार तक पहुंचें, हितग्राहियों से संवाद करें और भाजपा की विकासपरक सोच को जन-जन तक पहुंचाएं। लोकसभा सांसद विजय बघेल ने कहा कि रिसाली नगर निगम का यह चुनाव केवल महापौर और पार्षद चुनने का चुनाव नहीं, बल्कि क्षेत्र के भविष्य और विकास की दिशा तय करने का अवसर है। भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों को बताए। जनता ने कांग्रेस के कार्यकाल में विकास की जो स्थिति देखी है, उसका जवाब इस चुनाव में अपने मताधिकार से देगी। हमें एकजुट होकर प्रत्येक वार्ड में भाजपा की विजय सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत से जुटना है। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि रिसाली नगर निगम चुनाव भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। संगठन की शक्ति हमारे समर्पित कार्यकर्ता हैं। सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ प्रत्येक वार्ड में बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करें। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से संपर्क कर भाजपा के पक्ष में वातावरण तैयार करें। हमारा लक्ष्य केवल चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि रिसाली नगर निगम में विकास और सुशासन की नई शुरुआत करना है। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। विधानसभा चुनाव के पूर्व प्रदेश में कहा जाता था कि कोई सीट जीते ना जीते लेकिन दुर्ग ग्रामीण कांग्रेस पार्टी जरूर जीतेगी लेकिन आप सभी के अथक प्रयास और मेहनत के दम पर हमने यह इस सीट पर जीत दर्ज की फिर से आप सभी चुनावी रण पर उतरे और फिर से पार्टी को ऐतिहासिक जीत दिलाएं। दुर्ग ग्रामीण विधायक चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विकास और जनकल्याण के कार्य निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। रिसाली नगर निगम में भी जनता बदलाव चाहती है। भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर जनता से संवाद करें और उन्हें विश्वास दिलाएं कि भाजपा का जनप्रतिनिधि क्षेत्र के विकास, मूलभूत सुविधाओं और जनसमस्याओं के समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगा।

बॉक्स ऑफिस पर जारी है 'रामायण' का तूफान

बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर 'रामायण 'से बॉक्स ऑफिस पर कई बड़ी उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। ये बिग बजट फिल्म महज 7 दिनों में उनके करियर की सबसे कमाऊ फिल्म बन चुकी है। जबकि अब ये उनकी पहली 1 हजार करोड़ रुपये कमाने वाली फिल्म भी बनने जा रही है। सात दिनों में 900 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा चुकी फिल्म रामायण जल्द ही 1000 करोड़ क्लब में शामिल हो जाएगी। रणबीर कपूर बॉलीवुड में करीब दो दशक से काम कर रहे हैं।



बॉलीवुड सुपरस्टार का एक्टिंग डेब्यू साल 2007 की फिल्म 'सांवरिया' से हुआ था। रणबीर अपने 19 साल के करियर में कई बेहतरीन फिल्मों से फैंस का दिल जीत चुके हैं। हालांकि अब तक उनकी कोई भी मूवी 1 हजार करोड़ क्लब में शामिल नहीं हुई है। उनकी सबसे कमाऊ फिल्म 'एनिमल' थी जो साल 2023 में आई थी। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक इसने दुनियाभर में 917 करोड़ रुपये कमाए थे। इस रिकॉर्ड को महज सात दिनों में ही रामायण तोड़कर आगे निकल चुकी है।रामायण रणबीर कपूर के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। वहीं अब ये उनके करियर की पहली 1 हजार करोड़ी फिल्म बनने के लिए तैयार है। बता दें कि 5 नवंबर को रिलीज हुई रामायण ने पहले दिन दुनियाभर में 155 करोड़ रुपये कमाए थे। पहले दिन से लेकर सात दिनों तक हर दिन मूवी ने 100 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया है। रणबीर कपूर की 5 सबसे कमाऊ फिल्में (वर्ल्डवाइड कलेक्शन),रामायण- 934 .55 करोड़ रुपये (7 दिनों में),एनिमल- 917 .82 करोड़ रुपये,संजू- 588 .50 करोड़ रुपये,ब्रह्मास्त्र- 431 करोड़ रुपये,ये जवानी है दीवानी- 319 करोड़ रुपये।। रामायण का बुधवार, 11 नवंबर को थिएटर्स में 7वां दिन था। बीते कल फिल्म ने भारत में 70 .65 करोड़ रुपये की कमाई की थी। जबकि ओवरसीज में कलेक्शन 25 करोड़ रुपये रहा। अब तक रामायण का भारत में नेट कलेक्शन 511 .10 करोड़ रुपये और ग्रॉस कलेक्शन 611 .05 करोड़ रुपये हो चुका है। जबकि वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 934 .55 करोड़ रुपये पहुंच गया।

'किंग' के 'तू मिल जाए' सॉन्ग पर शाहरुख खान ने किया डांस

फिल्म 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में किंग खान अपनी पत्नी गौरी खान के साथ दुबई में एक इवेंट में पहुंचे, जहां उन्होंने पूरी महफिल लूट ली। इस दौरान शाहरुख ने अपनी फिल्म 'किंग' के गाने 'तू मिल जाए' पर जमकर डांस किया।उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं, इवेंट में शाहरुख खान के स्टाइलिश अंदाज ने भी सबका ध्यान खींचा। फैंस को शाहरुख का डांस और उनका लुक काफी पसंद आ रहा है।

सामने आए वीडियो में शाहरुख खान स्टेज पर 'तू मिल जाए' गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं। उनके डांस मूव्स और एनर्जी ने वहां मौजूद लोगों का ध्यान खींच लिया। इस दौरान उन्होंने अपना सिग्नेचर पोज भी दिया। इवेंट के लिए शाहरुख ने ऑल ब्लैक लुक चुना था। वो ब्लैक ब्लेजर में नजर आए, जिसके कॉलर और स्लीव्स पर खास डिजाइन किया गया था। इसके साथ उन्होंने मैचिंग ट्राउजर पहना था। वहीं, सनग्लासेस, कान में ईयररिंग और उनके खास हेयरस्टाइल ने उनके लुक को और शानदार बना दिया। इस दौरान उनका स्टाइलिश अंदाज देखते ही बन रहा था। फिल्म 'किंग' का पहला गाना 'तू मिल जाए' शाहरुख खान के जन्मदिन यानी 2 नवंबर को रिलीज किया गया था। इस रोमांटिक गाने में शाहरुख के साथ दीपिका पादुकोण नजर आ रही हैं। गाने में दोनों की केमिस्ट्री फैंस को काफी पसंद आई है।



शाहरुख खान फिल्म 'किंग' के जरिए करीब तीन साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही ये एक्शन थ्रिलर फिल्म 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। खास बात ये है कि इस फिल्म में पहली बार शाहरुख अपनी बेटी सुहाना खान के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे।फिल्म में दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, जयदीप अहलावत और राघव जुयाल भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर पहले से ही काफी बज बना हुआ है।

नयनतारा की 'मूकुथी अम्मन 2' का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल

साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस नयनतारा इन दिनों अपनी फिल्म 'मूकुथी अम्मन 2' को लेकर चर्चा में हैं। 6 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। रिलीज के 6 दिन बाद भी फिल्म की कमाई कुछ खास नहीं रही है। नयनतारा की फिल्म 'मूकुथी अम्मन 2' ने रिलीज के छठे दिन भारत में 1 करोड़ रुपये कमाए। 'मूकुथी अम्मन 2' के छठे दिन की कमाई में गिरावट देखने को मिली। सैकनिल्क के मुताबिक, 'मूकुथी अम्मन 2' ने बुधवार यानी छठे दिन भारत में 1 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। फिल्म को इस दिन कुल 1,589 शोज मिले। इसमें तमिल वर्जन ने 1,366 शोज से 87 लाख रुपये कमाए, जबकि तेलुगु वर्जन ने 223 शोज से 13 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल इंडिया नेट कमाई 17 .18 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि भारत में इसका ग्रॉस कलेक्शन 19 .87 करोड़ रुपये पहुंच गया है।



'शेरशाह' फेम सिद्धार्थ और निर्देशक आदित्य धर की जोड़ी को लेकर फैंस में उत्साह



बॉलीवुड स्टार सिद्धार्थ मल्होत्रा हाल ही में अपनी पत्नी कियारा आडवाणी के साथ करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' में पहुंचे थे। इस एपिसोड के दौरान, 'शेरशाह' एक्टर ने एक दिलचस्प बात बताई। दरअसल उन्होंने बताया कि वे धुंधर डायरेक्टर आदित्य धर संग काम करने वाले थे।दरअसल बातचीत के दौरान, करण जौहर ने सिद्धार्थ से पूछा, "आदित्य धर, मोहित सूरी, संदीप रेड्डी वांगा, संजय लीला भंसाली ये आजकल के चर्चित डायरेक्टर हैं। क्या इनमें से कोई ऐसा है, जिसके साथ काम करने के लिए आप कुछ भी करने को तैयार हैं?" इस पर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने तुरंत जवाब दिया, "वाह, मुझे लगता है कि ये सभी बहुत शानदार हैं, शायद आदित्य, क्योंकि मेरी पहले भी उनसे बातचीत हो चुकी है।" तब करण ने याद दिलाते हुए कहा, "काफी समय पहले आप उनके साथ एक फिल्म करने वाले थे।" इस पर सिद्धार्थ ने जवाब दिया, "हां, धर्मा (प्रोडक्शन्स) में ही।"इस बातचीत ने लोगों के मन में यह जानने की एक्साइटमेंट जगा दी है कि आदित्य धर और सिद्धार्थ मल्होत्रा का साथ कैसा हो सकता है, खासकर इसलिए क्योंकि दोनों ही देशभक्ति से जुड़ी कहानियों पर काम कर चुके हैं।बता दें कि पिछले कुछ सालों में, सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 'शेरशाह', 'मिशन मजनू', 'योद्धा' और 'अय्यारी' जैसी फिल्मों के जरिए अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इन फिल्मों में उन्होंने ऐसे किरदार निभाए हैं जो देश के सैनिकों के साहस, दृढ़ संकल्प और बलिदान को दर्शाते हैं। 'शेरशाह' में कैप्टन विक्रम बत्रा का उनका किरदार उनके करियर के सबसे बेहतरीन और यादगार अभिनय में से एक माना जाता है। एक राष्ट्रीय नायक की कहानी को पर्दे पर उतारने वाली फिल्म को कई राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी जीते थे। वहीं आदित्य धर ने एक ऐसे फिल्म निर्माता के रूप में अपनी पहचान बनाई है, वे अपनी फिल्मों में बड़े स्केल, इमोशनंस और ऐसी कहानियों को पिरोते हैं, जो देश की आत्मा से गहराई से जुड़ी होती हैं।

'हनुमान अंश' के बिके ओटीटी और टीवी राइट्स



फिल्म 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर सुनामी ला दी थी। अब फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने के बाद ओटीटी पर रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म के ओटीटी और टीवी राइट्स कितनी कीमत में बिके हैं, इसे लेकर भी अब खबरें सामने आ रही हैं। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, फिल्म के ओटीटी और टीवी राइट्स 63 करोड़ में बिके हैं। ओटीटी और टीवी राइट्स सोनी ने खरीदे हैं। सोर्स के हवाले से लिखा, 'सोनी ने हनुमान अंश के डिजिटल और टीवी राइट्स 63 करोड़ में खरीदे हैं। ये बड़ा अमाउंट है। लेकिन हनुमान अंश भी छोटी फिल्म नहीं है। इस फिल्म ने पूरे देश की ऑडियंस को अट्रैक्ट किया है। सिंगल स्क्रीन से लेकर मल्टीप्लेक्स तक, गांव से लेकर शहर तक। एक बड़ा सेक्शन ऐसा भी है जिसने अभी तक ये फिल्म नहीं देखी है। वहीं कई ऐसे हैं जो दोबारा देखना चाहते हैं। ऐसे में सोनी की टीम को ये विश्वास है कि फिल्म के डिजिटल और टीवी दोनों पर अच्छी व्यूअरशिप मिलेगी। इसी लिए उन्होंने इस प्राइज पर राइट्स खरीदे।' इसके अलावा टीम मुंबई में एक सक्सेस पार्टी भी करने का प्लान कर रही है। लेकिन ये टिपिकल पार्टीज से अलग होगी। मेकर्स आध्यात्मिक थीम पर सक्सेस पार्टी करना चाहते हैं।

फीचर

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि वालों के लिए शुक्रवार का दिन उत्साह और नई संभावनाएं लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में कुछ जरूरी काम पूरे होने से मन प्रसन्न रहेगा। प्रभावशाली लोगों से संपर्क लाभदायक साबित हो सकता है। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में नई योजनाएं बनाने का अवसर मिलेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को भी भविष्य के लिए अच्छी योजना बनाने का मौका मिल सकता है।

वृषभ राशि - वृषभ राशि के जातकों के लिए दिन रचनात्मकता और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहेगा। ऑफिस में होने वाली मीटिंग या जरूरी चर्चा को नजरअंदाज न करें, क्योंकि इससे आपके काम को नई दिशा मिल सकती है। क्रिएटिव क्षेत्र से जुड़े लोगों को नया असाइनमेंट मिलने की संभावना है। सरकारी या राजकीय पक्ष से सहयोग मिल सकता है।

मिथुन राशि - मिथुन राशि वालों के लिए शुक्रवार का दिन राहत और सकारात्मक बदलाव लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में माहौल शांतिपूर्ण रहेगा। मेहनत और समझदारी से आप विपरीत परिस्थितियों को अपने पक्ष में कर सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा और अटके हुए काम आगे बढ़ेंगे। सामाजिक गतिविधियों में आपकी भागीदारी बढ़ सकती है।

कर्क राशि - कर्क राशि वालों के लिए दिन कई मामलों में अनुकूल रह सकता है। सामाजिक संपर्कों का लाभ मिलेगा और प्रभावशाली लोगों से बातचीत के नए अवसर बनेंगे। पिछले कुछ समय से चली आ रही आर्थिक परेशानियों का समाधान मिलने की उम्मीद है। किसी महिला मित्र के माध्यम से लाभ हो सकता है।

सिंह राशि - सिंह राशि के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन शुभ और लाभदायक रहने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं और चारों ओर से अच्छी खबरें सुनने को मिल सकती हैं। आपकी उम्मीदों को नई दिशा मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए धन प्राप्ति के अवसर बन सकते हैं।

कन्या राशि - कन्या राशि वालों के लिए शुक्रवार का दिन पुरानी परेशानियों से राहत दिलाने वाला हो सकता है। निराशा दूर होगी और शिक्षा, बुद्धि तथा प्रतिभा के क्षेत्र में विकास के अवसर मिलेंगे। नौकरी और आजीविका से जुड़े अधूरे प्रयास पूरे होने की संभावना है। पारिवारिक जीवन में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी और बिगड़े हुए काम बनने लगेंगे।

तुला राशि- तुला राशि के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन मेहनत का पूरा फल दिला सकता है। अपनी मधुर वाणी और समझदारी से आप कठिन काम भी आसानी से पूरे कर पाएंगे। कार्यक्षेत्र में विरोधियों की चुनौतियों का सामना करने में सफलता मिलेगी। लंबे समय से संकल्पित कार्य पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार और उद्योग से जुड़े लोगों को लाभ मिल सकता है।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि वालों के लिए शुक्रवार का दिन आर्थिक और पारिवारिक मामलों में अच्छा रह सकता है। किसी महत्वपूर्ण काम के पूरा होने से राहत मिलेगी। व्यापार में विस्तार और लाभ के अवसर बनेंगे। आर्थिक समस्याओं का समाधान मिलने की संभावना है। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

धनु राशि- धनु राशि के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन नई योजनाओं को आगे बढ़ाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक प्रगति होगी और आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिल सकता है। बातचीत की कला और चतुराई से बिगडे हए काम बनाने में सफल रहेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं।

मकर राशि - मकर राशि वालों के लिए शुक्रवार का दिन मिला-जुला रह सकता है। घरेलू जरूरतों पर अधिक खर्च होने से बजट प्रभावित हो सकता है। कुछ पारिवारिक या व्यक्तिगत चिंताएं मानसिक तनाव बढ़ा सकती हैं। कार्यक्षेत्र में नए विरोधियों के कारण मुश्किलें सामने आ सकती हैं, इसलिए किसी भी मामले में जल्दबाजी न करें।

कुंभ राशि- कुंभ राशि के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन करियर और आर्थिक मामलों में अनुकूल रह सकता है। नौकरीपेशा लोगों को उन्नति के अवसर मिल सकते हैं। बेरोजगार जातकों को रोजगार का नया साधन मिलने की संभावना है। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों का स्थानांतरण हो सकता है।

मीन राशि-मीन राशि वालों के लिए शुक्रवार का दिन समझदारी और सूझबूझ से सफलता दिलाने वाला हो सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी जटिल समस्या का समाधान निकालने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धिमत्ता और चतुराई से आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। परिवार में विवाह या अन्य मांगलिक कार्यों की रूपरेखा बन सकती है।

छठ पर्व पर भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा-आराधना



दिवाली पर्व के समापन के बाद छठ पर्व की धूम होती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर वर्ष कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के साथ छठ महापर्व की शुरुआत होती है। यह पर्व मुख्य रूप से सबसे ज्यादा बिहार में मनाया जाता है। छठ पर्व चार दिनों तक चलता है जिसमें उगते और डूबते हुए सूर्य दोनों को अर्घ्य दिया जाता है। छठ पर्व पर व्रती अपने संतान की लंबी आयु और अच्छी सेहत के लिए करीब 36 घंटों तक निर्जला व्रत रखती हैं। इस वर्ष छठ पर्व की शुरुआत 13 नवंबर से हो रही है। आइए जानते हैं छठ महापर्व के दौरान नहाय खाय, खरना और ऊषा अर्घ्य का शुभ मुहूर्त समेत सभी जानकारियां।

छठ पूजा तिथि 2026

पंचांग के अनुसार, चार दिनों तक चलने वाला छठ महापर्व हर वर्ष कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से लेकर सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है। सप्तमी तिथि से छठ महापर्व की शुरुआत होती है। पंचांग के अनुसार, सप्तमी तिथि 12 नवंबर को शाम 06 बजकर 09 मिनट से आरंभ हो जो 13 नवंबर को रात 08 बजकर 42 मिनट पर खत्म होगी। उदया तिथि के अनुसार छठ महापर्व 13 नवंबर से शुरू होगा। छठ का मुख्य पर्व षष्ठी तिथि को मनाया जाएगा

नहाय-खाय	13 नवंबर, शुक्रवार
खरना	14 नवंबर, शनिवार
संध्या अर्घ्य	15 नवंबर, रविवार
ऊषा अर्घ्य	16 नवंबर, सोमवार

चार दिनों तक चलने वाले छठ महापर्व के पहले दिन नहाय-खाय मनाया जाता है। यह कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को शुरू होता है। इसमें व्रती महिलाएं और पुरुष स्नान करके सात्विक भोजन करते हैं, जिसमें लौकी सी सब्जी, चने की दाल और चावल आदि खाया जाता है।

खरना- 14 नवंबर 2026

छठ पर्व के दूसरे दिन खरना आता है, जो कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को होता है। खरना पर व्रत और पूजा के लिए सभी तरह की सामग्री को एक जगह एकत्रित करते हैं। फिर शाम के समय गुड़ या फिर चावल और गन्ने के रस से खीर बनाई जाती है। इसके अलावा कई जगहों पर रोटी भी बनाई जाती है। इसके बाद निर्जला व्रत शुरू हो जाता है।

संध्या अर्घ्य- 15 नवंबर 2026

छठ महापर्व के तीसरे दिन संध्या अर्घ्य होती है। जिसमें शाम को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। संध्या अर्घ्य पर डूबते हुए सूर्य को जल देने की परंपरा है। इस दिन शाम को व्रती घाट पर एकत्रित होकर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इस दौरान छठ पर्व में सूप में ठेकुआ, फल, गन्ना समेत दूसरी पूजा सामग्री को रखकर अर्घ्य दिया जाता है। इस दिन सूर्यास्त का समय पंचांग के अनुसार शाम 5 बजकर 28 मिनट पर होगा।

ऊषा अर्घ्य- 16 नवंबर 2026

16 नवंबर को ऊषा अर्घ्य देते हुए छठ महापर्व का समापन होता है। इस दिन व्रती उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण करते हैं। इस दिन व्रती अपने परिवार के सदस्यों संग सुबह घाट पर पहुंचकर उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देते हैं। पंचांग के अनुसार, 16 नवंबर को दिल्ली में सूर्योदय सुबह 6 बजकर 44 मिनट पर होगा।

आंगन में तैयार करें छठ पूजा का घाट



छठ पूजा का नाम आते ही आंखों के सामने नदी या तालाब का किनारा, सजा हुआ घाट, बांस के सूप में रखे फल और पानी में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य देते व्रती की तस्वीर उभरने लगती है। लेकिन हर किसी के लिए नदी या तालाब तक पहुंच पाना आसान नहीं होता। किसी के घर में बुजुर्ग हैं, तो किसी को भीड़ और दूरी की परेशानी होती है। अगर आप भी इस बार किसी वजह से सार्वजनिक घाट पर नहीं जा पा रहे हैं, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप अपने घर के आंगन, छत या खाली जगह पर भी साफ-सुथरी व्यवस्था बनाकर छठ पूजा कर सकते हैं। आइए जानते हैं घर में छठ घाट तैयार करने का आसान तरीका।

सबसे पहले चुनें सही जगह

घर में छठ घाट बनाने के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां पर्याप्त खुली जगह हो। आंगन, छत या घर के किसी साफ हिस्से का चुनाव कर सकते हैं। ध्यान रखें कि वहां आसपास गंदगी न हो और पूजा के दौरान परिवार के सदस्यों को आने-जाने में परेशानी न हो।

छोटा कृत्रिम तालाब तैयार करें

अगर आंगन में जगह है, तो ईंटों की मदद से छोटा सा चौकोर या आयताकार कुंड बना सकते हैं। इसमें पानी भरने के लिए साफ प्लास्टिक शीट या मजबूत टब का इस्तेमाल किया जा सकता है। ध्यान रखें कि पानी बाहर न निकले और आसपास फिसलन न हो। कुंड की गहराई ऐसी रखें कि व्रती सुरक्षित तरीके से पूजा कर सकें।

छठ पूजा में साफ-सफाई, नियम, परंपरा और श्रद्धा का विशेष महत्व है। अगर किसी वजह से आप सार्वजनिक घाट तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, तो घर में भी उचित व्यवस्था करके पूजा की तैयारी कर सकते हैं। हालांकि पूजा की विधि और परंपराएं परिवारों के अनुसार अलग-अलग हो सकती हैं। इसलिए घर के बड़े-बुजुर्गों और व्रत करने वाले व्यक्ति की सलाह से ही व्यवस्था करें।



अर्घ्य के लिए रखें खास इंतजाम

घर में बनाए गए कुंड या साफ पानी से भरे बड़े पात्र के सामने खड़े होकर परंपरा के अनुसार सूर्य देव को अर्घ्य दिया जा सकता है। इसके लिए परिवार की परंपरा और व्रत करने वाले व्यक्ति की सुविधा का ध्यान रखें। अर्घ्य के दौरान सुरक्षा और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना जरूरी है।

फूलों और केले के पत्तों से करें सजावट

छठ घाट को सुंदर बनाने के लिए केले के पत्ते, फूल, आम के पत्ते और पारंपरिक सजावटी सामग्री का इस्तेमाल कर सकते हैं। घर में उपलब्ध चीजों से भी आकर्षक सजावट की जा सकती है। इसके लिए महंगे डेकोरेशन पर पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं है।

पूजा सामग्री रखने की बनाएं व्यवस्था

पूजा स्थल के पास साफ जगह पर बांस का सूप, दउरा, नारियल, फल, ठेकुआ और अन्य प्रसाद रखने की व्यवस्था करें। सभी सामग्री को व्यवस्थित तरीके से रखें, ताकि पूजा के समय किसी चीज को ढूंढने में परेशानी न हो।

छठ पूजा पर भूलकर भी न करें ये बड़ी गलतियां...

छठ पूजा सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि आस्था, अनुशासन और स्वच्छता से जुड़ा महापर्व है। इस दौरान व्रती चार दिनों तक पूरी श्रद्धा के साथ भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा करते हैं। नहाय-खाय से शुरू होकर उगते सूर्य को अर्घ्य देने तक हर दिन का अपना अलग महत्व होता है। ऐसे में पूजा की तैयारी से लेकर प्रसाद बनाने और व्रत का पारण करने तक छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना जरूरी है। अगर आप भी छठ व्रत कर रहे हैं, तो जान लीजिए कि कौन-सी गलतियां करने से बचना चाहिए।

साफ-सफाई को नजरअंदाज न करें

छठ पूजा में स्वच्छता का विशेष महत्व होता है। इसलिए पूजा घर, रसोई और प्रसाद बनाने वाली जगह को साफ रखें। पूजा में इस्तेमाल होने वाले बर्तन, सूप और दउरा भी अच्छी तरह साफ होने चाहिए। प्रसाद बनाते समय भी साफ हाथों और साफ सामग्री का इस्तेमाल करें।

प्रसाद बनाते समय न करें लापरवाही

छठ पूजा में ठेकुआ, खीर और दूसरे पारंपरिक पकवानों का विशेष महत्व है। इन्हें बनाते समय शुद्धता और साफ-सफाई का ध्यान रखें। प्रसाद बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली सामग्री अच्छी गुणवत्ता की होनी चाहिए।

व्रत के नियमों में न करें मनमानी

छठ व्रत में संयम और अनुशासन का खास महत्व है। नहाय-खाय और खरना से लेकर अर्घ्य तक हर दिन की अलग विधि होती है। अपनी मर्जी से व्रत के नियमों में बदलाव न करें। अगर पहली बार व्रत रख रहे हैं, तो परिवार के अनुभवी सदस्यों से इसकी विधि समझ लें।

खरना का प्रसाद ग्रहण करने में जल्दबाजी न करें

खरना के दिन शाम को पूजा के बाद व्रती प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसके बाद निर्जला व्रत शुरू होता है, जो उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पारण तक चलता है।इस दौरान व्रती को भोजन और पानी से परहेज करना होता है। प्रसाद को भी साफ-सुथरे तरीके से तैयार करें और पूजा के बाद ही ग्रहण करें।

किसानों की आर्थिक समृद्धि और खेती को लाभकारी बनाने के लिए छत्तीसगढ़ में हो रहे नवाचार -कृषि मंत्री रामविचार नेताम

कृषक उन्नति योजना से 25 लाख से अधिक किसानों को 35 हजार 904 करोड़ रुपये का भुगतान, फसल विविधीकरण और श्री अन्न उत्पादन को मिल रहा प्रोत्साहन

रायपुर, 13 नवंबर 2026/ छत्तीसगढ़ में किसानों की आर्थिक समृद्धि, कृषि को लाभकारी बनाने और खेती को नई दिशा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनेक महत्वपूर्ण पहल की जा रही हैं। कृषक उन्नति योजना के माध्यम से किसानों को आर्थिक संबल देने के साथ दलहन-तिलहन उत्पादन, फसल विविधीकरण और श्री अन्न (मिलेट्स) की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम एवं कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने छत्तीसगढ़ सवांद नवा रायपुर के आडिटोरियम में संयुक्त रूप से आज प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर कृषि विभाग की प्रमुख उपलब्धियों, योजनाओं और भावी कार्ययोजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि विभाग के संचालक श्री राहुल देव भी उपस्थित थे। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने बताया कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में कृषक उन्नति योजना के माध्यम से प्रदेश के किसानों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। खरीफ वर्ष 2023 से खरीफ वर्ष 2025 तक प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों को योजना के अंतर्गत कुल 35 हजार 904 करोड़ 90 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इसमें खरीफ 2023 के लिए 13 हजार 289 करोड़ रुपये, खरीफ 2024 के लिए 11 हजार 976 करोड़ रुपये तथा खरीफ 2025 के लिए 10 हजार 639 करोड़ रुपये शामिल हैं।

प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये की आदान सहायता से किसानों को मिलेगी सुविधा- कृषि मंत्री श्री नेताम ने बताया कि कृषक उन्नति योजना में किसानों को प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये की एक समान आदान सहायता राशि देने का प्रावधान किया गया है। इससे किसानों को अपनी जरूरत और सुविधानुसार धान विक्रय की स्वतंत्रता मिलेगी। निर्धारित रकबे के अनुसार कम मात्रा में धान बेचने पर भी उन्हें सहायता राशि का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए धान के स्थान पर अन्य फसल लेने वाले किसानों को दी जाने वाली सहायता राशि 11 हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की गई है। इस घटक में अब तक 52 हजार से अधिक किसानों ने 28 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र के लिए पंजीयन कराया है। श्री नेताम ने बताया कि दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी एवं कपास जैसी फसलों की खेती करने वाले किसानों को 10 हजार रुपये प्रति एकड़ सहायता देने का



प्रावधान है। इसके अंतर्गत अब तक 4 लाख 26 हजार 185 किसानों द्वारा 2 लाख 66 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र के लिए पंजीयन कराया जा चुका है। यह पहल धान पर निर्भरता कम करने और किसानों को वैकल्पिक लाभकारी फसलों की ओर प्रेरित करने में सहायक होगी।

दलहन-तिलहन उत्पादक किसानों को एमएसपी पर उपज बेचने का अवसर- कृषि मंत्री ने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के तहत प्रदेश में दलहन एवं तिलहन फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में प्रदेश के 29 जिलों में 273 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से अरहर, सोयाबीन, चना, मसूर एवं सरसों की कुल 3 लाख 72 हजार 39 क्विंटल खरीदी की गई। इसके एवज में किसानों को 219.08 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। इसमें अकेले चना की 3 लाख 54 हजार 127 क्विंटल खरीदी कर 24 हजार 257 किसानों को 207.59 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

श्री अन्न के उत्पादन और प्रसंस्करण को मिलेगा बढ़ावा- कृषि मंत्री श्री नेताम ने बताया कि छत्तीसगढ़ में कोदो, कुटकी एवं रागी जैसे पारंपरिक पौष्टिक अनाजों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में मार्कफेड के माध्यम से इनका उपार्जन किया जाएगा। इसके लिए 15 दिसंबर 2026 से 15 फरवरी 2027 तक की अवधि निर्धारित की गई है। रागी का उपार्जन भारत सरकार के न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा कोदो एवं कुटकी का उपार्जन राज्य शासन द्वारा निर्धारित दरों पर किया जाएगा। उपार्जित श्री अन्न की आपूर्ति मांग एवं उपलब्धता के अनुसार आंगनबाड़ियों और माध्यमिक शालाओं को की जाएगी। इसके अतिरिक्त प्रसंस्करण इकाइयों तथा शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं निजी संस्थाओं को भी इसकी आपूर्ति की जाएगी, इससे मिलेट्स के उत्पादन के साथ-साथ उनके प्रसंस्करण और विपणन को भी बढ़ावा मिलेगा। श्री नेताम ने बताया कि राज्य सरकार की इन पहलों के माध्यम से किसानों को आर्थिक सुरक्षा, उनकी उपज का उचित मूल्य और खेती में नए विकल्प उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

'मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं भूपेश बघेल': भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू का पलटवार

दिल्ली रैली में छत्तीसगढ़ के नेताओं की गैरमौजूदगी को लेकर कांग्रेस की अंदरूनी कलह पर साधा निशाना



जनता के गोठ रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर तीखा पलटवार किया है। श्रीमती साहू ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री इन दिनों 'मुंगेरीलाल के हसीन सपने' देख रहे हैं और अपनी खिसकती सियासी जमीन बचाने के लिए अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।

2023 के जनादेश और कांग्रेस नेतृत्व पर टिप्पणी- जारी बयान में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के परिश्रम और प्रदेश की जनता के विश्वास ने वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से बाहर किया था। उन्होंने दावा किया कि इस हार के बाद से न केवल श्री बघेल, बल्कि पूरा कांग्रेस नेतृत्व हताशा और सदमे के दौर से गुजर रहा है, जिसके चलते इस तरह की बयानबाजी की जा रही है।

पार्टी के भीतर अलग-थलग पड़ने का दावा- श्रीमती साहू ने आरोप लगाया कि आज पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की न केवल छत्तीसगढ़ की राजनीति में, बल्कि स्वयं कांग्रेस पार्टी के भीतर भी कोई राजनीतिक प्रासंगिकता शेष नहीं रह गई है और वे अपनी ही पार्टी में अलग-थलग पड़ गए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राजनीतिक हाशिये पर जा चुके श्री बघेल केवल अपने डूबते सियासी वजूद को बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं।

कांग्रेस की अंदरूनी कलह और 'इनोवा' वाले बयान पर जवाब- कांग्रेस की आंतरिक स्थिति पर निशाना साधते हुए श्रीमती साहू ने कहा कि जिस पार्टी की दिल्ली रैली में छत्तीसगढ़ के अधिकांश नेताओं के शामिल न होने पर प्रदेश नेतृत्व को अपने ही नेताओं को नोटिस देने पर विचार करना पड़ रहा हो, उस बिखरी हुई पार्टी की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी परिस्थितियों में कांग्रेस के 'वन-वे लीडर' बन चुके भूपेश बघेल यदि भाजपा के एक इनोवा कार में सिमट जाने की कल्पना करते हैं, तो यह केवल उनकी खुशफहमी है। श्रीमती साहू ने कहा कि प्रदेश की जनता कांग्रेस के पिछले कार्यकाल के कथित भ्रष्टाचार और कुशासन को भूली नहीं है, इसलिए श्री बघेल को सपने देखने के बजाय अपनी पार्टी के भीतर बचे-खुचे जनाधार की चिंता करनी चाहिए।

लोकतंत्र बचाओ - अराजकता हटाओ पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब लोकतंत्र के प्रति जनता की अटूट आस्था का प्रमाण : मंत्री गुरु खुशवंत साहेब





सक्ती/रायपुर। जिले के प्रभारी मंत्री एवं छत्तीसगढ़ शासन में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब की सहभागिता में आज प्रभार जिला सक्ती में आयोजित ÷लोकतंत्र बचाओ ङ्क अराजकता हटाओ÷ पदयात्रा में बड़ी संख्या में आम नागरिकों, भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं की सहभागिता देखने को मिली। पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब लोकतंत्र की रक्षा, संवैधानिक मूल्यों की मजबूती और देशहित के प्रति जनता की जागरूकता एवं प्रतिबद्धता का सशक्त संदेश देता नजर आया। इस अवसर पर मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि लोकतंत्र केवल शासन व्यवस्था का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की आत्मा, हमारी संवैधानिक विरासत और करोड़ों देशवासियों के अधिकारों का आधार है। लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखना, संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास मजबूत करना और लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आज सक्ती जिले में पदयात्रा के दौरान जिस उत्साह, उमंग और जनसमर्थन का प्रदर्शन हुआ है, वह इस बात का प्रमाण है कि जनता लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ मजबूती से खड़ी है। यह जनसैलाब कांग्रेस की अराजक राजनीति, नकारात्मक सोच और देशहित को कमजोर करने वाली प्रवृत्तियों के विरुद्ध जनता की बुलंद आवाज है। देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जनता का यह विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। मंत्री गुरु साहेब ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय गौरव के नए आयाम स्थापित कर रहा है। केंद्र सरकार देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाने, गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने तथा राष्ट्र को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है और जनता का जनमत सर्वोच्च होता है। किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक शक्ति उसकी नीतियों, विचारों और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता में निहित होती है। जनता के विश्वास और जनभागीदारी से ही लोकतंत्र मजबूत होता है। हमें राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित, सामाजिक समरसता और संवैधानिक मर्यादाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने पदयात्रा में शामिल सभी नागरिकों, पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र की रक्षा का यह संकल्प केवल किसी एक दल या संगठन का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक का दायित्व है। हमें जनजागरूकता के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाना होगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सशक्त, समृद्ध एवं लोकतांत्रिक भारत का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि सक्ती जिले की जनता ने आज अपनी व्यापक सहभागिता के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया है कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, संविधान की गरिमा और राष्ट्र की एकता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रशासन की सख्ती से सांकरा के नंदी चौक में नहीं जमा जुए का फड़

सांकरा। दीपावली पर ग्राम सांकरा के नंदी चौक में इस बार जुए का फड़ नहीं जमा। प्रशासन और पुलिस की सतर्कता व सख्ती से गांव में शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मनाया गया। नंदी चौक में खड़खड़िया और ताश के जरिए जुआ नहीं खेले जाने से ग्रामीणों ने राहत महसूस की। इस व्यवस्था से खुश होकर नंदी सेवा समिति और ग्रामीणों ने प्रशासन के प्रति आभार जताया है। दरअसल दीपावली से पहले नंदी सेवा समिति और ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर नंदी चौक में खड़खड़िया और ताश के जरिए जुआ खिलाने पर रोक लगाने की मांग की थी। समिति ने ज्ञापन में बताया था कि 10 हजार से अधिक आबादी वाला सांकरा आसपास के गांवों का प्रमुख व्यापारिक केंद्र है। दीपावली के दौरान नंदी चौक में जुए के फड़ लगने से बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुटती है। इससे महिलाओं और छात्राओं को असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। वहीं दुकानदारों के साथ अभद्र व्यवहार और कई परिवारों की मेहनत की कमाई जुए में गंवाने जैसी समस्याएं भी सामने आती हैं। जुआ पर रोक लगाने से गांव में दीपावली का पर्व उत्साह के साथ शांति से मनाने पर ग्रामीणों ने जोर दिया था।

शिकायत पर प्रशासन ने दिखाई सक्रियता- ग्रामीणों की मांग पर प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। इसके बाद थाना सिहावा पुलिस ने नंदी चौक में गश्त बढ़ाई। एसडीओपी नगरी, तहसीलदार और एसडीएम नगरी ने भी स्थिति पर नजर रखी। ग्राम पंचायत सांकरा के सरपंच-सचिव और ग्राम व्यवस्था समिति के अध्यक्ष ने भी शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया।

महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में छह जिलों के अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

महिलाओं और बच्चों के अधिकार, सुरक्षा तथा विधिक प्रावधानों पर धमतरी में आयोजित हुआ एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

रायपुर, 13 नवंबर 2026/ महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा और उनसे जुड़े विधिक प्रावधानों की प्रभावी जानकारी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों तक पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग ने धमतरी में एक दिवसीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। राष्ट्रीय महिला आयोग के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने की। प्रशिक्षण में धमतरी के साथ रायपुर, महासमुंद, दुर्ग, कांकेर और बालोद जिले के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

धमतरी के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सुबह 10 बजे से आयोजित कार्यक्रम में सखी वन स्टॉप सेंटर के काउंसलर, केस वर्कर और मेडिकल पर्सन, संरक्षण अधिकारी, पुलिस विभाग के वूमेन हेल्प डेस्क के प्रतिनिधि तथा विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों में कार्यरत विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों को संबंधित कानूनों की जानकारी देना और उनके कार्यों में आवश्यक समन्वय के विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान करना था।

कार्यक्रम में आयोग की सदस्य श्रीमती सरला कोसरीया और सुश्री दीपिका सोरी, कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा, आयोग के सचिव श्री रमेश साहू, अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा नवीन देवहारी, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रीति दुर्गम, अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती कल्पना ध्रुव तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री महेश मरकाम उपस्थित थे।

प्रशिक्षण सत्र में जिला बाल संरक्षण अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग,



धमतरी श्री आनंद पाठक ने बाल अधिकारों से संबंधित कानूनों की जानकारी दी। उन्होंने किशोर न्याय अधिनियम (जेजे एक्ट) और पॉक्सो अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों पर चर्चा की। इसके बाद श्री धनंजय तिवारी ने महिलाओं के अधिकारों से जुड़े कानूनों की तकनीकी जानकारी देते हुए भारतीय न्याय संहिता, घरेलू हिंसा से संबंधित कानून और महिलाओं के संरक्षण के लिए लागू अन्य विधिक प्रावधानों के बारे में बताया।

अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, कुरूद, जिला धमतरी श्रीमती रागिनी मिश्रा (तिवारी) ने महिलाओं से जुड़े मामलों में पुलिस की भूमिका और सखी वन स्टॉप सेंटर के साथ पुलिस विभाग के समन्वय के विषय पर जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि इन मामलों में संबंधित संस्थाओं और विभागों के बीच समन्वय किस प्रकार महत्वपूर्ण है। दानिश हुसैन ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की और प्रतिभागियों को इस क्षेत्र से संबंधित जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष डॉ. ममता साहू और आयोग की सदस्यों ने भी महिलाओं एवं बच्चों के कानूनी अधिकारों और सुरक्षा से जुड़े विषयों पर प्रतिभागियों को जानकारी दी। प्रशिक्षण में विभिन्न विभागों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों की भागीदारी रही। कार्यक्रम में धमतरी सहित रायपुर, महासमुंद, दुर्ग, कांकेर और बालोद जिलों के सखी वन स्टॉप सेंटर के काउंसलर, केस वर्कर, मेडिकल पर्सन, संरक्षण अधिकारी, पुलिस विभाग के वूमेन हेल्प डेस्क के प्रतिनिधि, विधिक सेवा प्राधिकरण तथा जिला कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनजातीय गौरव की विरासत से सशक्त भविष्य की ओर

छत्तीसगढ़ में जनजातीय महिलाओं और बेटियों के सम्मान, प्रतिभा और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने प्रयास

डॉ. दानेश्वरी सभ्भाकर
(उप संचालक)

रायपुर, 13 नवंबर 2026/ जनजातीय गौरव दिवस हमें अपनी समृद्ध विरासत और उन जननायकों के अदम्य साहस को स्मरण करने का अवसर देता है, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता, समाज सुधार और जनकल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित किया। भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गेंद सिंह, वीर गुण्डाधुर और रानी दुर्गावती का संघर्ष, स्वाभिमान और त्याग हमारी साझा धरोहर है। उनके जीवन से हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, अपनी संस्कृति पर गर्व करने और समाज के हर वर्ग को सम्मान देने की प्रेरणा मिलती है।

जनजातीय समाज की महिलाएँ अपनी परंपराओं, परिवारों और समुदायों की मजबूत आधारशिला रही हैं। आज वे शिक्षा, खेल, कला, आजीविका और नेतृत्व सहित अनेक क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं। कोंडागांव जिले के बालिका गृह की दो जनजातीय बालिकाओं को पिछले दो वर्षों में खेलों में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाना इस प्रतिभा और संकल्प का प्रेरक उदाहरण है। उनकी उपलब्धि बताती है कि उचित अवसर, प्रोत्साहन और मार्गदर्शन मिले तो बेटियाँ किसी भी क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकती हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं और जनजातीय परिवारों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में महतारी वंदन योजना से 20 लाख 28 हजार 803 जनजातीय महिलाएँ लाभान्वित हुई हैं। यह सहायता महिलाओं को अपनी तथा परिवार की जरूरतों के लिए निर्णय लेने में संबल देती है और उनकी आर्थिक भागीदारी को मजबूत करती है।

परिवारों के जीवन में बेटियों का विवाह एक महत्वपूर्ण और आनंद का अवसर होता है। आर्थिक कठिनाइयाँ इस अवसर पर परिवारों के लिए चिंता का कारण न बनें, इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को सहयोग दिया जा रहा है। वित्त वर्ष 2026-27 में अब तक प्रदेश में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से 2,072 विवाह सम्पन्न हुए हैं, जिनमें



लगभग 580 हितग्राही अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं। यह पहल बेटियों के विवाह को गरिमा और सम्मान के साथ सम्पन्न कराने में परिवारों का सहारा बन रही है।

हमारी जनजातीय परंपराओं में परिवार, समुदाय और परस्पर सहयोग का विशेष महत्व है। शासन की योजनाओं का उद्देश्य भी यही है कि सहायता जरूरतमंद लोगों तक पहुँचे और उनके जीवन में वास्तविक संबल बने। महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा और आजीविका से जुड़े प्रयासों के साथ परिवारों को सामाजिक अवसरों पर सहयोग देना समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जनजातीय गौरव दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि अपनी गौरवशाली विरासत और जननायकों के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुँचाएँगे। जनजातीय समाज की बेटियों को शिक्षा, खेल, कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना तथा उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना परिवार, समाज और शासन सभी की साझा जिम्मेदारी है।

विश्वास है कि जब बेटियाँ आत्मविश्वास और सम्मान के साथ आगे बढ़ेंगी, तो उनका योगदान पूरे समाज को नई दिशा देगा। जनजातीय गौरव का सच्चा सम्मान इसी में है कि हर बेटी को अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिले और वह अपने परिवार तथा प्रदेश की प्रगति में भागीदार बने।



स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, आदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com